राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण रविवार 11 अगस्त 2024 वर्ष-7,अंक-199 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

ओंकारेश्वर में नर्मदा नदी के सभी घाट दुबे

▸▸ 50 किलोमीटर में रेड अलर्ट
▸▸ ओंकारेश्वर बांध के 13 गेट खोले गए

खंडवा । बरगी बांध से लगातार पानी छोड़ा जा रहा है। जिसके कारण इंदिरा सागर बांध में तेजी के साथ जल स्तर बढ़ रहा है। 3 दिन से बांध के 12 गेट खुले हुए हैं। जिस तेजी के साथ पानी आ रहा है। उसके बाद शुक्रवार की रात एक गेट और खोल दिया गया 19 गेट से इंदिरा सागर बांध से 10956 क्यूमैक्स पानी छोड़ा जा रहा है। शुक्रवार को इंदिरा सागर का जल स्तर 260.46 तथा ओम्कारेश्वर बांध का जल स्तर 195.46 मीटर था। इस जल स्तर को देखते हुए 50 किलोमीटर के क्षेत्र में रेड अलर्ट घोषित किया गया है। ओंकारेश्वर में नर्मदा नदी के सभी घाट डूब गए हैं। जिला प्रशासन ने ओंकारेश्वर के घाटों में जाना प्रतिबंधित कर दिया है। शुक्रवार की सुबह से ही एसडीएम शिवम प्रजापति ने घाटों से दुकानों और लोगों को वहां से हटाने की कार्रवाई की। पुलिस ने सुरक्षा तैनात कर दी है। घाट की तरफ किसी को आने नहीं दिया जा रहा है।

बांग्लादेश के हालातों पर विहिप ने जताई चिंता, हिंदुओं की सुरक्षा की मांग

रांची। बांग्लादेश में तख्तपलट के बाद वहां हिंसा और हत्याओं की लगातार खबरें मिल रही हैं। इसको लेकर विश्व हिन्दू परिषद ने चिंता जाहिर की है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों को निशाना बनाया जा रहा है वह गंभीर और चिंता का विषय है। विहिप के प्रांत अध्यक्ष चंद्रकांत रायपत ने कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों और उनके धार्मिक स्थलों की सुरक्षा की मांग केंद्र सरकार से की है। रायपत ने कहा कि बांग्लादेश में जो भी सरकार में प्रमुख हैं उनसे सरकार चर्चा करें। इस मुद्दे पर विश्व हिंदू परिषद राष्ट्रीय स्तर पर भी सरकार से बातचीत कर रही है। उन्होंने मीडिया के जरिए अपील की कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समाज की रक्षा के लिए जो भी एजेंसी हैं या फिर जो भी सक्षम लोग हैं वह आगे आए और इसमें अपना योगदान दें।

जम्मू पुलिस ने जारी किए 4 आतंकियों के स्कैच

कठुआ। जम्मू-कश्मीर पुलिस और सुरक्षाबल के जवान आतंकियों को लेकर बेहद अलर्ट हैं। जहां भी सूचना मिलती है वहीं तलाशी अभियान शुरु हो जाता है। बीती रात बिलावर सब डिवीज़न के गांव सदोता में दो संदिग्ध देखे गए थे। इसके बाद इलाके में और आसपास के क्षेत्रों में तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। इसी बीच कठुआ पुलिस ने 4 आतंकियों के स्केच जारी किए हैं। इन आतंकियों पर कार्रवाई योग्य सूचना के लिए 5 लाख का इनाम भी रखा गया है। जानकारी के अनुसार कठुआ पुलिस ने 4 आतंकवादियों के स्कैच जारी किए हैं। इन आतंकियों को आखिरी बार मल्हार, बानी और सियोज धार के ढोकों में देखा गया था। इन आतंकवादियों की विश्वसनीय सूचना देने वाले को भी उचित इनाम दिया जाएगा।

किसानों की आय बढ़ाने छह सूत्रीय रोडमैप तैयार

आज कृषि बीजों की 109 किस्मों को जारी करेंगे पीएम

भोपाल । केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रविवार को सुबह 11 बजे कृषि बीजों की अलग-अलग 109 किस्मों को जारी करेंगे। अलग एग्रो क्लाइमेटिक जोन के लिए इसमें अलग किस्म हैं। साथ ही बीजों की किस्म एरिया स्पेसिफिक फसलों के लिए तैयार की गई है। इन किस्मों को प्रधानमंत्री खेत में ही जाकर रिलीज करेंगे। आईसीएआर के खेतों में प्रधानमंत्री जाएंगे और तीन स्थानों पर बीजों की किस्मों को रिलीज करेंगे। चौहान ने कहा कि लैब टू लैंड, विज्ञान सीधे किसान तक पहुंचें, रिसर्च का फायदा किसान तक पहुंच जाए। सब एक जगह हो, यह प्रयत्न किया गया है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय कैबिनेट ने गरीबों के 2 करोड़ ग्रामीण घर बनाने का प्रावधान किया है। भोपाल में मीडिया से चर्चा करते हुए केंद्रीय कृषि और ग्रामीण विकास मंत्री चौहान ने कहा कि कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान उसकी आत्मा है। यह देश के लगभग 50 प्रतिशत लोगों को रोजगार देता है। अर्थव्यवस्था में जीडीपी का योगदान भले ही 17 प्रतिशत से ज्यादा है लेकिन किसान अगर उत्पादक है तो सबसे बड़ा उपभोक्ता भी है। किसान कुछ खरीदता है, उससे भी जीडीपी बढ़ती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सर्वोच्च प्राथमिकता किसान हैं। हम कहते रहे हैं कि किसानों की आय बढ़ाएंगे, कृषि क्षेत्र को मजबूत करेंगे। शिवराज ने कहा कि 6 आयामों पर हम पीएम मोदी के नेतृत्व में निरंतर काम कर रहे हैं।

वायनाड में लैंडस्लाइड से तबाह इलाकों का पीएम ने किया दौरा, पीड़ितों से बोले

मुश्किल वक्त में आप अकेले नहीं

नई दिल्ली । (एजेंसी)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को केरल के वायनाड जिले के भूस्खलन से तबाह हुए इलाकों का दौरा किया। चूरलमाला पहुंचे पीएम मोदी ने एक राहत शिविर का भी दौरा किया, जिसमें बड़े पैमाने पर भूस्खलन में विस्थापित हुए कई लोग रहते हैं।

यहां प्रधानमंत्री ने रेस्क्यू किए गए लोगों से बातचीत की, जिनमें दो बच्चे भी शामिल हैं, जिन्होंने इस आपदा में अपने प्रियजनों को खो दिया है। मोदी कन्नूर हवाई अड्डे से हेलीकॉप्टर द्वारा पहाड़ी जिले में पहुंचे। उन्होंने नुकसान का आकलन करने के लिए प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। बाद में, प्रधानमंत्री ने दोपहर करीब 2.30 बजे मेप्पाडी में शिविर का दौरा किया और वहां लगभग आधे घंटे तक कुछ बचे हुए लोगों से बातचीत की।

मोदी ने पीड़ितों के सिर और कंधों पर हाथ रखा, जब वे प्रधानमंत्री को अपनी आपबीती सुनाते हुए रो पड़े। कलपेट्टा में उतरने से पहले मोदी ने भारतीय वायुसेना के हेलीकॉप्टर से भूस्खलन से तबाह हुए चूरलमाला, मुंडक्कई और पंचिरिमट्टम बस्तियों का हवाई सर्वेक्षण किया। वे कलपेट्टा में एसकेएमजे हायर सेकेंडरी स्कूल में उतरे और फिर सडक़ मार्ग से चूरलमाला पहुंचे, जहां आपदा के बाद सेना ने 190 फुट लंबा बेली ब्रिज बनाया था। प्रधानमंत्री ने नुकसान का जायजा लेते हुए पुल पर पैदल यात्रा की। चूरलमाला पहुंचने के बाद मोदी अपने वाहन से उतरे, बचाव कर्मियों, राज्य के मुख्य सचिव वी वेणु और जिला अधिकारियों से बातचीत की और पैदल ही पत्थरों और मलबे से अटे इलाके का सर्वेक्षण किया। उनके साथ केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन और केंद्रीय मंत्री सुरेश गोपी भी थे। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि जब से मुझे इस घटना के बारे में पता चला है, तब से मैं भूस्खलन के बारे में जानकारी ले रहा हूं। केंद्र सरकार की सभी एजेंसियां जो इस आपदा में मदद कर सकती थीं, तुरंत काम पर लग गईं। यह आपदा सामान्य नहीं है। हजारों परिवारों के सपने चकनाचूर हो गए हैं।

मैंने मौके पर जाकर स्थिति देखी है। मैंने राहत शिविरों में पीड़ितों से मुलाकात की, जिन्होंने इस आपदा का सामना किया। मैंने अस्पताल में

घायल मरीजों से भी मुलाकात की। पीएम ने कहा कि हमारी प्रार्थनाएं वायनाड में भूस्खलन से प्रभावित लोगों के साथ हैं। केंद्र राहत प्रयासों में सहायता के लिए हर संभव सहायता का आश्वासन हमने दिया है। मैं भूस्खलन से बचे लोगों को आश्वस्त करना चाहता हूं कि वे इस मुश्किल समय में अकेले नहीं हैं। सीएम पिनाराई विजयन ने कहा है कि वे केंद्र से आवश्यक सहायता के बारे में विस्तृत ज्ञापन भेजेंगे।

अयोध्या में रामलला के दरबार में झूलनोत्सव की बहार

अयोध्या। (एजेंसी)

रामजन्मभूमि मंदिर में रामलला के दरबार सहित पूरी रामनगरी में सावन झूलनोत्सव की बहार है। यदाकदा रिमझिम फुहारों के बीच झूला-झूलते चारों भाइयों के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ लगी हुई है।राम नगरी के प्रमुख मंदिरों में इस समय राम, जानकी, लक्ष्मण, भरत, शत्रुघ्न झूले पर विराजमान हैं। शाम होते ही झुंड के झुंड महिलाएं कजरी गीतों पर थिरक रही हैं।कई स्थानों पर श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का प्रबंध किया गया है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र संवाद केंद्र के मुताबक श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट की ओर से रामलला मंदिर परिसर के यात्री सुविधा केंद्र में पूरे दिन भंडारा चलाया जा रहा है। यात्री सुविधा केंद्र पर दोपहर तक पूड़ी-सब्जी, मिष्ठान्न तथा दोपहर बाद तहरी परोसी जा रही है। प्रसाद वितरण

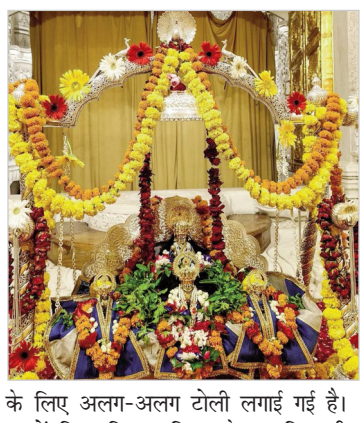

के लिए अलग-अलग टोली लगाई गई है। इसमें विश्व हिन्दू परिषद के पदाधिकारी राजेन्द्र सिंह पंकज, तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र आदि व्यवस्था देख रहे हैं। व्यवस्था में लगे पदाधिकारियों के अनुसार अब तक एक लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर में भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया।

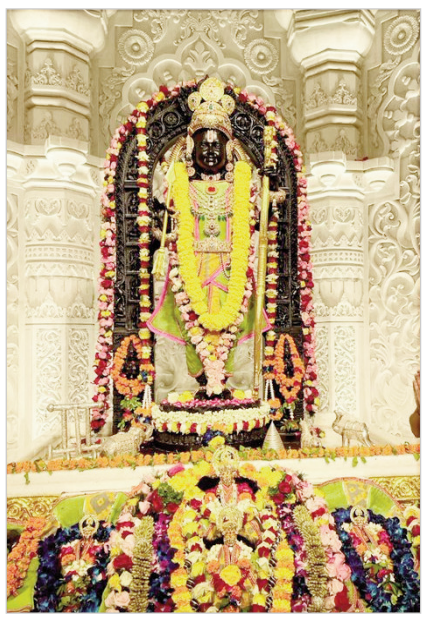

आप ऑफिस में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए मनीष सिसोदिया बोले

सुप्रीम कोर्ट ने तानाशाही को कुचला

केजरीवाल भी जेल से जल्द बाहर आएंगे; भगवान के घर देर है, अंधेर नहीं

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया ने आप ऑफिस में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा- सुप्रीम कोर्ट ने संविधान का इस्तेमाल करते हुए कल तानाशाही को कुचला। केजरीवाल भी जल्द बाहर आएंगे। भगवान के घर में देर है, अंधेर नहीं है।

सिसोदिया ने कहा कि कई बिजनेसमैन को सिर्फ इसलिए जेल में रखा गया है, क्योंकि उन्होंने भाजपा को डोनेशन नहीं दिया था। जब मैं जेल में था तब मुझे यह जानकर बहुत दुख हुआ था कि इन बिजनेसमैन पर झूठे केस लगाए गए हैं। दुनियाभर में

आतंकवादियों और ड्रग माफियाओं पर जो कानून लगाए जाते हैं, वो कानून नेताओं, व्यापारियों और आम आदमियों पर लगाए जा रहे हैं। सिसोदिया ने कहा कि हमारे देश की बेटी विनेश ने दुनियाभर में हमारा मान बढ़ाया। वह जंतर-मंतर पर खड़े होकर कहती है कि भाजपा के सांसद ने हमें छेड़ा है तो केंद्र सरकार उस सांसद को गिरफ्तार तक नहीं करती। इसके उलट सोशल मीडिया पर उस बेटी को ट्रोल किया जाता है। यह तानाशाही नहीं है तो और क्या है? उस बेटी के साथ बहुत गलत हुआ है। सबको पता है कि यह किसने किया है।

बांग्लादेशी घुसपैठियों को पश्चिम बंगाल सीमा पर बीएसएफ ने रोका

सिलीगुड़ी। (एजेंसी)

बीएसएफ ने बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश की मदद से शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के कूचबिहार जिले में बांग्लादेश से लगती सीमा पर घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया।

कूचबिहार जिले के स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय स्थापित करके बीएसएफ की त्वरित कार्रवाई ने मुद्दे को हल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बीएसएफ अधिकारी ने बताया कि यह ऑपरेशन बताता है कि बीएसएफ के जवान भारत की सीमाओं की सुरक्षा के लिए अटूट प्रतिबद्धता के साथ डटे हैं। इसके अलावा बीएसएफ मानवतापूर्ण तरीके से स्थिति को हल करने की कोशिश कर रहा है और 'अंतरराष्ट्रीय नियमों का सख्त पालन' करने के प्रति सजग है।

बीएसएफ के पीआरओ के अनुसार, यह चुनौती बीएसएफ के लिए नई है। ये सुरक्षा बल मुख्य तौर पर बांग्लादेश और पाकिस्तान की सीमाओं की सुरक्षा के लिए तैनात किए जाते हैं। सीमा सुरक्षा बल के एक प्रवक्ता के अनुसार, बीएसएफ को पश्चिम बंगाल के कूचबिहार में भारत-बांग्लादेश सीमा पर लगभग 1,000 बांग्लादेशी नागरिकों के सीमा पर आने की बात पता चली, जो भारत में शरण लेने के इरादे से सीमा पर आ रहे थे।

प्रवक्ता ने कहा कि इन लोगों का पता चलने पर, बीएसएफ ने तुरंत इन बांग्लादेशी नागरिकों को वापस लेने के लिए बीजीबी से संपर्क किया। इसके बाद दोनों एजेंसियों की तरफ से यह सुनिश्चित किया गया कि सीमा पर शांतिपूर्ण तरीके से स्थिति नियंत्रित की जाए। शेख हसीना को उनके प्रधानमंत्री पद इस्तीफा देने के बाद बांग्लादेश में फैली अशांति और हिंसक विरोध प्रदर्शन से पड़ोसी देश में फैली अस्थिरता के घटनाक्रमों को देखते हुए भारत-बांग्लादेश सीमा पर सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। बीएसएफ, तटरक्षक बल और तटीय पुलिस सहित विभिन्न केंद्रीय और राज्य सुरक्षा एजेंसियों ने पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना और दक्षिण 24 परगना जिलों में फैले सुंदरबन क्षेत्र में बांग्लादेश के साथ समुद्री सीमाओं पर गश्ती बढ़ा दी है।

आजाद भारत बनाने में गुजरात का बड़ा योगदान, जहां गांधी, पटेल जैसे महापुरुष पैदा हुए

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा ने की हर घर तिरंगा अभियान की शुरुआत

राजकोट। (एजेंसी)

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने गुजरात के राजकोट में शनिवार को केंद्र सरकार के हर घर तिरंगा अभियान की शुरुआत की। नड्डा ने कार्यक्रम में कहा कि आज तिरंगा यात्रा की शुरुआत करने का सौभाग्य राजकोट से मिला है। हर घर तिरंगा यात्रा 15 अगस्त तक चलेगी। उन्होंने युवा से कहा कि यह आजादी आसानी से नहीं मिली है। हजारों नौजवानों ने अपने जीवन का बलिदान दिया है और लाखों परिवारों ने देश की आजादी के लिए अपना योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि आज हम तिरंगा यात्रा में निकले हैं। हर जगह हमें तिरंगा ही तिरंगा दिख रहा है। आज हमें आजादी की लड़ाई के साथ वो कालखंड भी याद आता है, जब हम उस कालखंड की बात करते हैं, तो हमें ये याद रखना चाहिए कि आज के आजाद भारत की तस्वीर को स्थापित करने में गुजरात का बहुत बड़ा योगदान रहा है। नड्डा ने महात्मा गांधी और सरदार पटेल को याद

कर कहा कि यह देश कभी भी महात्मा गांधी के योगदान को भुला नहीं सकता। ये हमारा सौभाग्य है कि महात्मा गांधी का संबंध भी गुजरात की इस पवित्र भूमि से ही था। आज के दिन हम सरदार वल्लभ भाई पटेल को नहीं भूल सकते। आजादी के समय यह देश 562 रियासतों में बंटा हुआ था। उन्हें जोड़ना आसान नहीं था, लेकिन गुजरात की मिट्टी से पैदा हुए सरदार पटेल ने आजादी के दो साल के अंदर 562 रियासतों को एक साथ जोड़कर मेरा भारत महान बनाया। उन्होंने कहा कि ये हमारा सौभाग्य है कि भारत के पीएम नरेंद्र मोदी का संबंध भी इस पवित्र मिट्टी से जुड़ा है। उन्होंने इस देश को अमृतकाल से लेकर विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए संकल्प लिया है।

पीएम मोदी के वायनाड दौरे पर राजनीति शुरु, राहुल गांधी ने की मांग

बीजेपी ने बोला हमला कहा- त्रासदी का राजनीतिकरण कर रहे नेता प्रतिपक्ष

नई दिल्ली। (एजेंसी)

केरल के वायनाड में हुए भूस्खलन प्रभावित इलाकों का जायजा लेने पीएम नरेंद्र मोदी शनिवार को वायनाड के दौरे पर थे। पीएम मोदी ने इस दौरान वायनाड में भूस्खलन प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वेक्षण किया और राहत एवं पुनर्वास के लिए चलाए जा रहे कार्यों को देखा।

पीएम मोदी के वायनाड दौरे को लेकर भी राजनीति शुरू हो गई है। वायनाड से लोकसभा सांसद रह चुके राहुल गांधी ने एक बार फिर से इसे राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग करते हुए एक्स पर लिखा- व्यक्तिगत रूप से भयानक त्रासदी का जायजा लेने के लिए वायनाड जाने के लिए धन्यवाद, मोदी जी। ये एक अच्छा फैसला है। मुझे यकीन है कि पीएम इसे राष्ट्रीय आपदा घोषित कर देंगे। राहुल गांधी की इस मांग को लेकर बीजेपी ने उन पर हमला करते हुए आरोप लगाया है कि वह वायनाड की त्रासदी का राजनीतिकरण कर रहे हैं।

बीजेपी के राष्ट्रीय सचिव एवं राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल एंटनी ने कहा कि राहुल गांधी 20 सालों से सांसद हैं, एक राष्ट्रीय पार्टी के अध्यक्ष रह चुके हैं और अब लोकसभा में विपक्ष के नेता भी हैं लेकिन वह राष्ट्रीय आपदा घोषित करने के नियम और कानून को जाने बिना वायनाड आपदा का राजनीतिकरण कर रहे हैं। जबकि उन्हीं की यूपीए सरकार के कार्यकाल में 2013 में तत्कालीन गृह राज्य मंत्री मुल्लापल्ली रामचंद्रन ने एक सवाल के जवाब में लोकसभा में कहा था कि प्राकृतिक आपदा को राष्ट्रीय आपदा घोषित करने का कोई प्रावधान नहीं है। वही नियम आज भी लागू है लेकिन राहुल गांधी वायनाड की आपदा का राजनीतिकरण कर रहे हैं, ऐसे मुद्दे उठा रहे हैं जिसका कोई अस्तित्व ही नहीं है। यह समय राजनीति करने का नहीं है।

कांग्रेस के दिग्गज नेता और कांग्रेस की सरकार में मंत्री रह चुके एके एंटनी के बेटे बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल एंटनी ने कहा कि वायनाड का यह भूस्खलन भयानक त्रासदी है। इसमें सैकड़ों लोग मारे गए हैं और बहुत से लोग अभी तक लापता हैं। केंद्र की मोदी सरकार ने अर्ली वार्निंग सिस्टम के जरिए इस त्रासदी की आशंका को लेकर पहले ही केरल सरकार को सचेत कर दिया था, लेकिन उन्होंने कुछ नहीं किया। लेकिन जैसे ही वायनाड में यह भीषण त्रासदी हुई, राजनीति के बारे में सोचे बिना पीएम मोदी और केंद्र सरकार ने तुरंत हालात का जायजा लिया और कुछ ही

घंटे के भीतर वहां हर संभव सहायता पहुंचाई गई। केंद्र ने राजनीति के बारे में सोचे बिना, हर संभव सहायता केरल के वायनाड के लोगों तक पहुंचाने का काम किया है। हमारा मानना है कि आपदा का यह समय राजनीति करने का नहीं है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

एक और जमानत

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया को सर्वोच्च न्यायालय में मिली जमानत राजनीतिक रूप से ही नहीं, बल्कि सामाजिक और नैतिक रूप से भी महत्वपूर्ण है। राष्ट्रीय राजधानी के व्यापक समाज ने एक समय मनीष सिसोदिया को भी बहुत उम्मीद के साथ देखा था। नैतिकता के बल से ही वह अपने नेता अरविंद केजरीवाल के साथ एक वैकल्पिक ताकत बनकर उभरे थे। वह लगभग 17 महीनों की जद्दोजहद के बाद जेल से बाहर आए हैं। न्यायालय ने पूरी तरह से आश्वस्त होने के बाद ही दिल्ली के पूर्व उप-मुख्यमंत्री को दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति से जुड़े मामलों में जमानत दी है। दरअसल, पहले ही लगने लगा था कि सिसोदिया को ज्यादा समय तक सलाखों के पीछे रखना जांच एजेंसियों के लिए संभव नहीं होगा। आश्चर्य नहीं कि न्यायमूर्ति बीआर गवई और के वी विश्वनाथन की पीठ ने जमानत याचिका को विचारणीय मानते हुए कहा कि सिसोदिया को अब जमानत मांगने के लिए सुनवाई अदालत भेजना न्याय का मखौल होगा। वास्तव में, यह सिसोदिया के लिए पूरी रिहाई नहीं है, उन्हें आरोप मुक्त होने के लिए लंबा संघर्ष करना पड़ सकता है। हालांकि, यह माना जा रहा है कि सशर्त नियमित जमानत उनकी राजनीतिक ताकत को लौटा लाएगी।

प्रवर्तन निदेशालय जमानत से खुश नहीं है, अंततः उसकी कोशिश थी कि सिसोदिया को दिल्ली सचिवालय या मुख्यमंत्री कार्यालय जाने से रोका जाए, पर न्यायालय ने प्रवर्तन निदेशालय की याचना पर ध्यान नहीं दिया। अब यह इतिहास में दर्ज हो गया है कि सीबीआई और ईडी ने आखिर तक यही प्रयास किया कि जमानत न हो सके, पर सर्वोच्च न्यायालय पहुंचकर जमानत मांगने की यह तीसरी कोशिश रंग लाई है। वैसे, एजेंसियों को जमानत रोकने पर जोर लगाने के बजाय दोष सिद्ध करने पर जोर देना चाहिए था, अगर पूरे प्रमाण के साथ मुकदमा शुरू हो जाता, तो सिसोदिया का बाहर आना मुश्किल हो जाता। अतः परोक्ष रूप से ईडी व सीबीआई की सुस्त चाल ने सिसोदिया की रिहाई को मुमकिन बनाया। एक पूर्व उप-मुख्यमंत्री को लगभग 17 महीने जेल में रखने के बावजूद सुनवाई और सजा की प्रक्रिया का किसी मुकाम पर न पहुंच पाना चिंता व विचार का विषय है। चिंता इसलिए कि जांच एजेंसियों की ऐसी कार्रवाई पर देश का खूब समय और संसाधन खर्च होता है, पर लोग कोई ठोस धारणा नहीं बना पाते हैं। एक लंबी फेहरिस्त है, ऐसे नेताओं की, जो सनसनीखेज ढंग से फंसे, जेल गए और बाहर निकल आए। एजेंसियां देखती रह गईं। इसी फेहरिस्त में अब एक नया नाम जुड़ गया है।

कुल मिलाकर, अभी न दूध का दूध हुआ है और न पानी का पानी। इंतजार करना होगा। यह भारतीय राजनीति के लिए चिंता की बात है। शक की चादर ओढ़े न जाने कितने नेता सक्रिय हैं। गौर कीजिए, तो राजनीतिक बिरादरी भी अपनी पूरी सफाई के पक्ष में नहीं है। सबके पास अपने-अपने दागी हैं, जिनके बचाव की त्रासद राजनीति लोगों और लोकतंत्र के समग्र विश्वास में सेंध लगा रही है। दाग छुड़ाने के बजाय छिपाने की राजनीति अब पीछे छूट जानी चाहिए। देश में विकास की गति बढ़ गई है, तो नेताओं से उम्मीदें भी बढ़ गई हैं, पर क्या जांच व कानून-व्यवस्था लागू करने वाली एजेंसियां देश के साथ कदमताल के लिए तैयार हैं?

आज का राशीफल

मेष पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। मादक वस्तुओं का प्रयोग न करें। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृषभ व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। रचनात्मक प्रयास लाभप्रद होंगे। घर के मुखिया या संबंधित अधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्च पर नियंत्रण रखें। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें।

मिथुन दाम्पत्य जीवन में तनाव आ सकते हैं। कुछ व्यावसायिक समस्याएं आ सकती हैं। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। निजी संबंधों के मामले में अतृप्त महसूस करेंगे।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

सिंह जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा।

कन्या सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजनाओं में कठिनता का अनुभव कर सकते हैं। विरोधी परास्त होंगे।

तुला पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। जारी प्रयास सफल होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें, इससे विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

धनु आर्थिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

मकर जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाग्य वश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन में व्यर्थ के तनाव आ सकते हैं। किसी रिश्तेदार के कारण स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। क्रोध में वृद्धि होगी। रिश्तों में सुधार हो सकता है। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

व्यापक बने राष्ट्रीय सुरक्षा सिद्धांतों का दायरा

एनएसडी का कार्यक्षेत्र/डॉ. केपी सिंह

सरकार से अपेक्षा की जाती है कि वह देश में राजनीतिक संतुलन बनाए रखने, आर्थिक हितों की रक्षा करने, क्षेत्रीय अखंडता की सुरक्षा सुनिश्चित करने, सैन्य शक्ति का प्रदर्शन करने और घरेलू सुरक्षा वातावरण को सुधारने के लिए दृढ़ संकल्प प्रदर्शित करे। इसके साथ ही, सरकार को प्राकृतिक आपदाओं और मानव निर्मित संकटों से नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न उपाय अपनाने चाहिए। सक्षम राष्ट्रीय सुरक्षा सिद्धांतों (एनएसडी) का उद्देश्य देश और नागरिकों की सुरक्षा को सुनिश्चित करना है।

केसी पंत की अध्यक्षता वाली 'टास्क फोर्स' की सिफारिश पर, राष्ट्रीय सुरक्षा पर एक शीर्ष सलाहकार निकाय के रूप में 1998 में 'राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद' (एनएससी) का गठन किया गया था, जिसकी अध्यक्षता प्रधानमंत्री करते थे। जिसमें वित्त, रक्षा, गृह और विदेश मंत्री शामिल थे। हालांकि, एनएससी ने आज तक एनएसडी का लिखित दस्तावेजीकरण नहीं किया है, जिससे हितधारक अपना अधिदेश प्राप्त कर सकें और सामरिक महत्त्व की रणनीति तैयार कर सकें। एनएसडी अभी तक मुख्य रूप से राष्ट्रीय सुरक्षा योजनाओं तक ही सीमित रही है जिसमें अंतर्राष्ट्रीय सम्बन्धों और सैन्य रणनीतियों तथा कूटनीति पर अधिक ध्यान केन्द्रित रहा है। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष श्याम सरन द्वारा 2015 में तैयार राष्ट्रीय सुरक्षा नीति के मसौदे में दीर्घकालिक योजना और निर्णय लेने के लिए पांच प्रमुख क्षेत्रों, जिनमें घरेलू सुरक्षा, बाहरी सुरक्षा, सैन्य तैयारी, आर्थिक सुरक्षा और पारिस्थितिक सुरक्षा शामिल है, की पहचान की गई थी। यह तथ्य है कि कूटनीतिक मामलों और आर्थिक तथा पर्यावरण से जुड़े सुरक्षा के मुद्दों पर एक व्यापक राष्ट्रीय सहमति बन गई है, लेकिन घरेलू सुरक्षा की चिंताएं राजनीतिक बयानबाजी और चुनावी राजनीति के एजेंडे से ऊपर नहीं उठ पाई हैं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि संवेदनशील रक्षा मामलों पर मतभेद आजकल राजनीतिक और सार्वजनिक विमर्श में खुले तौर पर उभरकर सामने आ रहे हैं।

प्रतिस्पर्धी सामाजिक और राजनीतिक विचारधाराओं में समन्वय के आधार पर अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति, सैन्य-रुख और भू-राजनीतिक हितों के बीच संतुलन स्थापित करना एक सार्थक एनएसडी तैयार करने की कुंजी है। रूढ़िवादी मानसिकता वाले सुरक्षा विशेषज्ञ प्रायः तर्क देते हैं कि भारत जैसे बहुदलीय लोकतंत्र में सुरक्षा मामलों पर आम सहमति पर पहुंचना आसान नहीं होगा और न ही सार्वजनिक रूप से एनएसडी की बारीकियों पर चर्चा करना वांछनीय होगा। शायद यही कारण है कि नीति-निर्माता एक व्यापक एनएसडी नहीं बना पाए हैं और यह बन्द कमरे का मामला बनकर रह गया, जिस पर सत्ताधारी दल की विचारधारा का एकाधिकार होता है। भारत में एनएसडी पर चर्चा में आंतरिक सुरक्षा के मुद्दों पर उतना ध्यान नहीं दिया जाता जितना दिया जाना चाहिए। भूमि और समुद्री मार्गों से आने वाले अवैध प्रवासी भारत में शांति और स्थिरता के लिए एक बड़ा ख़तरा है। सुरक्षा बलों द्वारा प्रभावी अवरोधन के बिना रोहिंग्या और बांग्लादेशी अवैध प्रवासी बड़ी संख्या में तलहटी और निचले हिमालयी क्षेत्रों में बस गए हैं। इन क्षेत्रों की जनसांख्यिकी कुछ दशकों में ही बहुत बदल गई है, जिससे घरेलू शांति और सामाजिक संतुलन के लिए गम्भीर ख़तरे पैदा हो गए हैं। चिंता की बात यह है कि इन अवैध प्रवासियों का कोई व्यवस्थित जायजा नहीं लिया जाता है और सुरक्षा एजेंसियों को उनकी संख्या और बसने के स्थानों के बारे में भी ज्ञान नहीं है। भारत फ्रांस और इंग्लैंड जैसे यूरोपीय देशों से आने वाले शुरुआती चेतावनी संकेतों को नज़रअंदाज नहीं कर सकता है, वहां जनसंख्या नियंत्रण नीति के अभाव में उनकी जनसांख्यिकी में जिस प्रकार का बदलाव आ रहा है, उसमें मूल निवासी अपनी ही मातृभूमि में जातीय और सांस्कृतिक अल्पसंख्यक बनने की पीड़ा झेल रहे हैं। जनसांख्यिकीय मोर्चे पर असहजता और लाचारी के ऐसे संकेत भारत के कुछ हिस्सों में पहले से ही दिखाई दे रहे हैं। एक सुविचारित जनसंख्या नियंत्रण-नीति को अपनाकर जनसांख्यिकीय और सामाजिक-सांस्कृतिक यथास्थिति को बनाए रखना एनएसडी के समग्र परिप्रेक्ष्य में प्रासंगिक हो गया है। पूरे देश में विशेषकर, उत्तर-पूर्व और उत्तरी और पश्चिमी भारत के सीमावर्ती राज्यों में, नशीली दवाओं का दुरुपयोग बड़े पैमाने पर हो रहा है। उचित और पर्याप्त नीतिगत हस्तक्षेप की कमी के कारण नशीली दवाओं की लत में फंसे बेरोजगार युवाओं ने पहले ही बहुप्रचारित 'जनसांख्यिकीय लाभांश' को बेअसर कर दिया है। कट्टरपंथी और अलगाववादी तत्व, जो धर्म की स्वतंत्रता की आड़ में वित्तीय प्रलोभन के आधार पर धर्मांतरण और धर्म की गलत व्याख्या करके लोगों को गुमराह कर रहे हैं, सख्त प्रतिबंधों के पात्र हैं। भेदभावपूर्ण और अपमानजनक धार्मिक रीति-रिवाजों और विकृत शिक्षा का घरेलू सुरक्षा परिदृश्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है, उन्हें धर्म के अंदर से ही सुधारों को बढ़ावा देकर या उचित कानूनी अधिनियमों के माध्यम से बदलने की आवश्यकता है। भारत का लगभग आधा भू-भाग हर वर्ष बाढ़ की चपेट में आता है, जबकि गर्मियों के महीनों में देश के कई हिस्सों में पर्याप्त पेयजल भी उपलब्ध नहीं होता है। जल-संचयन की कमी के कारण जल-स्रोत समाप्त होते जा रहे हैं, और भूमिगत जलस्तर प्रतिवर्ष नीचे खिसक रहा है। पानी की कमी दुनियाभर में सभ्यता के अस्तित्व के लिए बड़ा ख़तरा बन चुकी है। जल-संसाधनों का प्रबंधन राष्ट्रीय सुरक्षा हितधारकों के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। जन आंदोलनों को गति देने वाले सामाजिक उद्दीपक संक्रामक होते हैं, हम आरक्षण और बेरोजगारी के मुद्दों पर बांग्लादेश में चल रहे जन आंदोलन को नज़रअंदाज नहीं कर सकते। इसलिए, एनएसडी के कार्यक्षेत्र को व्यापक बनाने और परम्परागत विषयों के अतिरिक्त आंतरिक सुरक्षा से जुड़े मुद्दों को भी इसमें समाहित करने की जरूरत है।

लेखक हरियाणा के पुलिस महानिदेशक रहे हैं।

महिला पहलवान विनेश फोगाट को देश के लिए फिर से उठना होगा!

(लेखक-डॉ श्रीगोपाल नारसन)

महिला पहलवान विनेश फोगाट के पेरिस ओलंपिक से बाहर हो जाने पर राजनीति करने के बजाए उस बेटी को होंसला देंकर फिर से देश के लिए कुश्ती के मैदान में उतारने की आवश्यकता है।विनेश फोगाट पेरिस ओलंपिक में निर्धारित वज़न से कुछ ग्राम अधिक वजन होने के कारण अयोग्य घोषित की गई हैं।इसी कारण विनेश अब ओलंपिक में कोई मेडल नहीं जीत सकेंगी।

विनेश फोगाट महिलाओं के 50 किलोग्राम भार वर्ग के फ्री स्टाइल स्पर्धा में पेरिस ओलंपिक में चुनौती पेश कर रही थीं। लेकिन जब उनका वज़न किया गया तो उनका वज़न मान्य वज़न से कुछ ग्राम ज़्यादा पाया गया।भारतीय दल ने विनेश के वज़न को 50 किलोग्राम तक लाने के लिए थोड़ा समय मांगा लेकिन अंततः विनेश फोगाट को तय वज़न से कुछ अधिक भार होने के कारण अयोग्य घोषित कर दिया गया।वज़न लेने के समय महिला खिलाड़ी केवल सिंगलेट यानी स्लीवलेस शर्ट ही पहन सकते हैं।साथ ही बढ़े हुए वज़न के मामले में कोई समझौता नहीं हो सकता है।किसी भी भार वर्ग के मुक़ाबले के पहले दिन सुबह के समय मेडिकल जाँच और वज़न किया जाता है।इस दौरान रेसलर मेडिकल परीक्षण से गुज़रते हैं। यहां फ़िजिशियन ऐसे किसी भी रेसलर को बाहर का रास्ता दिखा देते हैं, जिनसे कोई संक्रामक रोग फैलने के लक्षण हो। खिलाड़ियों को अपने नाखून भी छोटे-छोटे रखने पड़ते हैं।जो निर्धारित भारवर्ग के लिहाज़ से फिट पाए जाते हैं, उन्हें ही खेलने दिया जाता है। जो लोग फ़ाइनल के लिए क्वॉलिफ़ाई करते हैं, उन्हें दूसरे दिन की सुबह भी वज़न करवाना होता है।यूडब्ल्यूडब्ल्यू के नियम कहते हैं कि इस दौरान भी वज़न में किसी तरह का समझौता नहीं हो सकता।निर्धारित नियमों के अनुसार, वज़न करने की पूरी प्रक्रिया के दौरान रेसलर के पास ये अधिकार है कि वे कितनी भी बार मशीन पर वज़न करा सकते हैं। चुने गए रेफ़रियों की ये ज़िम्मेदारी होती है कि वे सभी भार वर्ग के प्रतिभागियों के वज़न की जाँच करें, साथ ही ये भी सुनिश्चित करें कि खिलाड़ी सभी मानदंडों को पूरा करता हो।

अगर कोई एथलीट वज़न की प्रक्रिया पूरी नहीं करता या इसमें फेल हो जाए तो उन्हें प्रतियोगिता से बाहर कर दिया जाता है और फिर उसे सबसे आख़िरी पायदान पर रखा जाता है।अगर कोई फ़ाइनलिस्ट प्लेयर फ़ाइनल से पहले वज़न को लेकर अयोग्य घोषित होता है तो उसकी जगह सेमीफ़ाइनल में हारे खिलाड़ी को मौक़ा दिया जाता है। ओलंपिक में किसी भार वर्ग के मुक़ाबले के लिए कई बार खिलाड़ी अपना वज़न कम करते हैं, यह वेट कटिंग कहलाता है।ऐसा दुनियाभर के खिलाड़ी करते हैं।

खिलाड़ी किसी प्रतियोगिता के कुछ सप्ताह पहले से अपना वज़न कम करना शुरू कर देते हैं। वज़न धीरे धीरे कम करना सुरक्षित होता है और कुछ हफ़्ते पहले वजन कम करने में स्वास्थ्य के प्रति ख़तरे रहते हैं। सवाल यह भी उठता है कि आखिर खिलाड़ी ऐसा क्यों करते हैं?वास्तव में ज्यादा वज़न वाले मुक़ाबले में खिलाड़ी के ख़िलाफ़ मुक़ाबला करना, उससे कम वज़न वाले खिलाड़ी के लिए बड़े नुक़सान वाला होता है।कुछ खिलाड़ी टूर्नामेंट से पहले अपना वज़न घटाते हैं तो कुछ टूर्नामेंट से पहले वज़न भी बढ़ा लेते हैं।

इससे बचने के लिए आयोजक एक भार वर्ग के सभी मुक़ाबले एक ही दिन में करा लेते थे,जबकि अब मुक़ाबला दो दिनों में होता है ताकि कोई खिलाड़ी एक ही दिन में बहुत ज़्यादा वज़न कम कर मुक़ाबले में न उतर सके।कई पहलवान जो कम वजन की कैटगरी में खेलना चाहते हैं, उनको अपना खाना पीना कम करना होता है।कुछ लोग भूखे रहते हैं और इसका प्रतिकूल प्रभाव उनके शरीर पर पड़ता है।खेल से पहले खिलाड़ियों को स्वस्थ में आई कमज़ोरी से भी उबरना चुनौती भरा होता है। ऐसे में खुद के शरीर में इस तरह के बदलाव लाना आसान नहीं होता । अगर किसी पहलवान का वजन बॉर्डर लाइन पर है तो उसे अनचाहे तनाव का सामना करना पड़ता है।ओलंपिक 2016 में 48 किलो कैटगरी में विनेश फोगाट को अपना वजन कम करना पड़ा था और ये चुनौतीपूर्ण भी रहा था।बाद में विनेश इस कैटगरी के तहत जगह बनाने और खेलने में सफल रही ।मगर चोट के कारण विनेश को बाहर उस समय बाहर हो जाना पड़ा।विनेश फोगाट टोक्यो ओलंपिक में 53 किलो कैटगरी में भी खेली थीं मगर क्वार्टफाइनल में हार गई थीं।पेरिस में विनेश ने कुछ दिन पहले ही कम कैटगरी में खेलने और वजन कम करने का फ़ैसला लिया था,जो उस पर भारी पड़ गया।मात्र कुछ ग्राम अधिक वजन विनेश फोगाट पर भारी साबित हुआ।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, विनेश आप चैंपियनों की चैंपियन हैं,आप भारत का गौरव और हर एक भारतीय के लिए प्रेरणा हैं। आज के सेटबैक ने दुखी किया है, काश! मैं जिस पीड़ा को अनुभव कर रहा हूं उसे शब्दों में कह पाता।प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा, मैं जानता हूं कि आप में लड़ने की क्षमता है। चुनौतियों से टक्कर लेना हमेशा से आपका स्वभाव रहा है। आप और मज़बूत होकर लौटिए, इस घड़ी में हम आपके साथ खड़े हैं।निश्चित ही प्रधानमंत्री का यह बयान विनेश फोगाट के हौंसले को बढाने वाला है।विनेश को भी अब कुश्ती से सन्यास के बेतुके निर्णय को छोड़कर पुनः कुश्ती के मैदान में उतरने के लिए तैयार होना चाहिए।

(लेखक राष्ट्रीय मुद्दों के चिंतक वरिष्ठ पत्रकार है)

विचार मंथन

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को हटाने विपक्ष का महाभियोग

(लेखक-सनत जैन)

उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ और विपक्षी सदस्यों के बीच सदन में तीखी-नोंक झोंक हुई। विपक्ष ने सत्ता पक्ष को 2 दिन पहले ही अनौपचारिक रूप से सत्तापक्ष को चेता दिया था,राज्यसभा के सभापति ने यदि सदन मे अपना व्यवहार नहीं बदला, तो वह सभापति के खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव लाएंगे। इस चेतावनी के बाद उपराष्ट्रपति और सभापति जगदीप धनखड़ की नाराजी विपक्ष के साथ और बढ़ गई। गुरुवार को राज्यसभा में तनातनी के बीच जगदीप धनखड़ आसंदी छोड़कर चले गए थे। शुक्रवार को वरिष्ठ राज्यसभा की सदस्य जया अमिताभ बच्चन के साथ उनकी नोकझोंक हुई। सभापति ने जया जी को कहा, आपने एक्टर के रूप में बहुत इज्जत कमाई है। डायरेक्टर के निर्देशन पर एक्टर को कम करना होता है। मुझे किसी से पाठ नहीं पढ़ना है। आप कह रही हैं कि मेरी टोन ठीक नहीं है। आप कितनी भी बड़ी सेलिब्रिटी हों, आपको सदन में मेरे निर्देशों का पालन करना ही होगा। मैं बर्दाश्त नहीं करूंगा। इसके बाद सदन का माहौल गर्म हो गया। सत्ता पक्ष के सदस्य हो- हल्ला करने लगे। इसी बीच जगदीप धनगढ़ के व्यवहार से विपक्ष भी एकजुट हो गया। मामला इतना गर्म हो गया, कि विपक्ष ने सदन से बहिष्कार कर दिया। विपक्ष इस बात से भी नाराज था। सभापति ने आसंदी से नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बारे में टिप्पणी करते हुए कहा था, वह देश में अराजकता फैला रहे हैं। इसी तरह से राजस्थान के घनश्याम तिवाडी ने मल्लिकार्जुन का नाम लेकर सीधे उन पर परिवारवाद का आरोप लगाया था। विपक्ष का कहना है, सत्ता पक्ष कुछ भी बोलता रहता है। आसंदी चुप रहती है। जब विपक्ष के सदस्य बोलने के लिए खड़े होते हैं। बीच-बीच में उन्हें टोका जाता है। उन्हें बोलने नहीं दिया जाता है। उनकी बातों को रिकॉर्ड से अलग कर दिया जाता है। बीच-बीच में माइक बंद कर दिए जाते हैं। सदस्य से ज्यादा सभापति बोलते हैं। वहीं जब सत्ता पक्ष के सदस्य बोलते हैं, जिन बातों के लिए विपक्ष को आसंदी से रोका जाता है। सत्ता पक्ष जब बोलता है, तो आसंदी चुप रहती है। कुल मिलाकर सभापति जगदीप धनखड़ के पक्षपात और उनके व्यवहार से विपक्षी सांसद नाराज है। शुक्रवार की घटना ने आग में घी डालने का काम किया। पूरे विपक्ष ने बहिष्कार कर पत्रकारों के सामने अपनी नाराजी प्रकट करते हुए कहा जिस तरह का व्यवहार सभापति विपक्ष के साथ कर रहे हैं। राज्यसभा के वरिष्ठ सदस्यों के खिलाफ अशोभनीय टिप्पणी आसंदी में बैठकर कर रहे हैं। यह विपक्ष को स्वीकार नहीं है। विपक्ष उनके खिलाफ संविधान के अनुच्छेद 67 के तहत महाभियोग प्रस्ताव पेश करने की तैयारी कर रहा है। इसी बीच सत्ता पक्ष के सदस्यों ने सदन में विपक्ष के खिलाफ निंदा प्रस्ताव रखा। इसके बाद विपक्ष और भी बिफर गया प्राप्त जानकारी के अनुसार विपक्ष ने 90 से ज्यादा राज्यसभा के विपक्षी सांसदों के हस्ताक्षर प्राप्त कर लिए हैं। जल्द ही विपक्ष महाभियोग प्रस्ताव पेश करने जा रहा है। राज्यसभा में जिस तरह से जगदीप धनखड़ विपक्ष के साथ व्यवहार करते हैं। उससे ऐसा लगता है, कि वह प्राइमरी स्कूल के मास्टर हैं। जैसे ही बच्चा कक्षा में बोलने के लिए खड़ा होता है। मास्टर जी बार-बार उसे रोककर समझाने लगते हैं। समय-समय पर अच्छी खासी डांट लगा देते हैं। यह सब विपक्षी सांसदों के साथ वह करते हैं। सत्ता पक्ष के लिए उनका व्यवहार बिल्कुल बदल जाता है। उनके इसी पक्षपात को लेकर विपक्ष नाराज था। पिछले कुछ समय से वह राज्यसभा के सदस्यों को जिस अंदाज और जिस ढंग से उन्हें बोलने से रोकते थे। बार-बार माइक बंद कर देने से राज्यसभा के सदस्य व्यक्तिगत तौर पर उनसे नाराज थे। राज्यसभा उच्च सदन है। अधिकांश सांसद पढ़े-लिखे और सेलिब्रिटी होते हैं। उनका कई वर्षों का राजनीतिक अनुभव होता है। जब से सभापति के पद पर जगदीप धनखड़ चुनकर आए हैं। उसके बाद से ही यह माहौल बना हुआ है। इसके पहले वेंकैया नायडू राज्यसभा के सभापति थे। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में कभी तालमेल नहीं गड़बड़ाया वेंकैया नायडू जहां विपक्ष की मांग सही होती थी। वह सरकार को चर्चा के लिए तैयार करते थे। उनका व्यवहार सत्ता पक्ष और विपक्ष के सदस्यों के साथ एक समान होता था। जिसके कारण अभी तक के इतिहास में राज्यसभा में सभापति कोई भी रहा हो। सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में कभी टकराव की स्थिति नहीं बनी। जगदीप धनखड़ जब पश्चिम बंगाल के राज्यपाल थे। उस समय भी उनका व्यवहार चर्चा में रहता था। वह स्वयं को मुख्यमंत्री से ऊपर मानकर चलते थे। उपराष्ट्रपति के पद पर होने के बाद भी वह राजस्थान विधानसभा के जब चुनाव हो रहे थे। वह बार-बार राजस्थान गए, उस समय भी उन पर अप्रत्यक्ष रूप से चुनाव प्रभावित करने का आरोप लगा था। राज्यसभा की कार्यवाही जो भी लोग देखते है।

चालू वित्त वर्ष में दालों का घट सकता है आयात

- दालों की खुदरा कीमतें भी कम होने की संभावना

मुंबई । देश का दालों का आयात पिछले वर्ष के 47.38 लाख टन से कम होकर चालू वित्त वर्ष में 40-45 लाख टन रहने की संभावना है। ऐसा इंडस्ट्री बॉडी इंडिया पल्सेस एंड ग्रेन्स एसोसिएशन (आईपीजीए) के एक वे रिष्ठ अे धिकारी का कहना है। उन्होंने इस साल मॉनसून की अच्छी स्थिति के चलते घरेलू उत्पादन में वृद्धि और खुदरा कीमतों में कमी की संभावना जताई है। आईपीजीए ने सरकार से मांग की है कि दाल बाजार के लिए दीर्घकालिक नीति बनाई जाए, ताकि बार-बार बदलाव से अंशधारकों के हितों को नुकसान न हो। इसके अलावा संस्था ने पीली मटर पर आयात शुल्क लगाने की भी सिफारिश की है। अधिकारी ने भारत दलहन सेमिनार 2024 में संवाददाताओं से कहा कि इस वित्त वर्ष में दालों के आयात की मात्रा 40-45 लाख टन रहने की संभावना है। फसल वर्ष 2024-25 में दालों के उत्पादन में सुधार और पिछले वित्त वर्ष में अधिक आयात के कारण आयात में कमी आएगी। उन्होंने बताया कि भारत ने पिछले वित्त वर्ष में 16 लाख टन मसूर दाल का आयात किया था, जबकि 10 लाख टन की जरूरत थी। पीली मटर का आयात भी 2023-24 के स्तर से कम हो सकता है। उन्होंने बताया कि इस साल मॉनसून की बारिश बेहतर रही है और खरीफ सत्र में दालों की फसल का रकबा बढ़ा है, जिससे घरेलू उत्पादन बढ़ने की उम्मीद है।

एमेजान ने इस साल देश में कई आपदा राहत केंद्र स्थापित किए

नइ दिल्ली । अमेजन इंडिया ने इस साल देश के कई हिस्सों में आई बाढ़ से प्रभावित लोगों की मदद करने के लिए देशभर के 34 जिलों के 10 हजार से अधिक परिवारों को सहायता दी और 10,890 लोगों को आश्रय (शेल्टर) किट वितरित किए हैं। प्रत्येक राहत किट में तिरपाल शीट, रस्सियां, नहाने और कपड़े धोने के साबुन, डेंटल किट, बाल्टी, मच्छरदानी और सैनिटरी पैड जैसी आवश्यक वस्तुयें शामिल हैं। इसके अतिरिक्त सूखे खाद्य पदार्थों से युक्त 5,742 राशन किट भी वितरित किये गये। अमेज़न ने मानसून के मौसम की तैयारी में ऐसे शेल्टर किट को पहले से ही तैनात कर रखा था, जिससे ये किट आपदा आने पर सहायता राहत शिविरों, आश्रयों, स्कूलों और अस्पतालों में प्रभावित समुदायों तक जल्दी पहुंच सकें। ये किट महत्वपूर्ण ज़रूरतों को पूरा करने के लिये तैयार किये गये हैं।

किया इंडिया ने बाजार में 10 लाख से ज्यादा वाहन बेचे

नई दिल्ली । भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में पांच वर्ष से काम कर रही यात्री वाहन बनाने वाली कंपनी किआ इंडिया ने घरेलू बाजार में 10 लाख वाहनों की बिक्री का आंकड़ा पार कर लिया है। कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि यह उपलब्धि 59 महीनों के भीतर हासिल की है। कंपनी के प्रमुख मॉडल किआ सेल्टोस ने इस सफलता में अहम भूमिका निभाई है, जो कंपनी की कुल घरेलू बिक्री का 48 प्रतिशत से अधिक योगदान करता है। सेल्टोस के बाद सोनेट और कैरेंस क्रमशः कंपनी की कुल घरेलू बिक्री में 34 प्रतिशत और 16 प्रतिशत का योगदान करते हैं।

बीएसएनएल 4जी, 5जी के लिए ओटीए और यूएसआईएम मंच पेश करेगी

नई दिल्ली । सार्वजनिक क्षेत्र की भारत संचार निगम लिमिटेड (बीएसएनएल) 4जी और 5जी नेटवर्क को बेहतर करने के लिए ओवर-द-एयर (ओटीए) और यूनिवर्सल सिम (यूएसआईएम) मंच की शुरुआत करेगी। इससे ग्राहक अपना मोबाइल नंबर चुनने के साथ-साथ भौगोलिक प्रतिबंधों के बिना सिम बदल सकेंगे। ओटीए उपकरण को परीक्षण उपकरण से जोड़ने की विधि है। बीएसएनएल ने कहा कि पायरो होल्डिंग्स के सहयोग से विकसित इस मंच का उद्घाटन चंडीगढ़ में किया गया। इसमें त्रिची में आपदा रिकवरी साइट भी शामिल है। बीएसएनएल ने कहा कि नया 4जी और 5जी उपयुक्त मंच देश भर के सभी बीएसएनएल ग्राहकों को बेहतर कनेक्टिविटी और सेवा गुणवत्ता प्रदान करने के लिए तैयार किया गया है। कंपनी पूरे देश में धीरे-धीरे 4जी नेटवर्क शुरू कर रही है। बयान में कहा गया है कि बीएसएनएल 4जी और 5जी के लिए नेटवर्क को बेहतर कर रही है। ऐसे में इस मंच की शुरुआत इस कदम के अनुकूल है। यह डिजिटल अंतर को पाटने और ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में नागरिकों को सशक्त बनाने तथा अत्याधुनिक दूरसंचार सेवाओं तक समान रूप से पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में बीएसएनएल के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है।

होम, ऑटो व पर्सनल लोन वालों को झटका, देश के तीन बैंकों ने किया लोन महंगा

नई दिल्ली।

रेपो रेट पर फैसला लेने वाली आरबीआई की मॉनीटरी पॉलिसी कमेटी की बैठक हुई थी इसमें रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं करने का फैसला लिया गया। रेपो रेट वह दर होती है जिस पर आरबीआई देश के बैंकों को लोन देता है। आरबीआई ने तो रेपो रेट में कोई बदलाव नहीं किया है, लेकिन तीन सरकारी बैंकों ने खामोशी से लोन महंगे कर दिए हैं जिनमें बैंक ऑफ बड़ौदा, केनरा बैंक और यूको बैंक ने एमसीएलआर (मार्जिनल कॉस्ट ऑफ फंड बेस्ड लेंडिंग रेट) बढ़ा दिया है। इन तीनों बैंकों ने एमसीएलआर में पांच बीपीएस की बढ़ोतरी की है। इस फैसले का सबसे ज्यादा असर होम, ऑटो या पर्सनल लोन लेने वालों पड़ेगा। बैंक ऑफ बड़ौदा ने कुछ टेन्योर के लोन के लिए एमसीएलआर 12 अगस्त से बढ़ा दिया है। केनरा बैंक ने भी 12 अगस्त से इसे बढ़ा रहा लेकिन यूको बैंक के ग्राहकों के लिए यह बढ़ोतरी आज से यानी 10 अगस्त से ही लागू हो गई है। केनरा बैंक ने ऑटो और पर्सनल लोन के लिए एक साल की अवधि का एमसीएलआर नौ फीसदी कर दी है जो पहले 8.95 फीसदी थी। इस तरह तीन साल की अवधि के लिए यह 9.40 फीसदी और दो साल की अवधि के लिए 9.30 फीसदी हो गया है। कोलकाता के यूको बैंक ने एक महीने की अवधि के लिए एमसीएलआर 8.3फीसदी से बढ़ाकर 8.35फीसदी कर दी है। एक साल के ब्याज पर इसे 8.9 फीसदी से बढ़ाकर 8.95फीसदी कर दिया गया है। मुंबई के बैंक ऑफ बड़ौदा ने तीन महीने के टेन्योर के लिए एमसीएलआर 8.45फीसदी से बढ़कर 8.5फीसदी कर दिया है। इसी तरह छह महीने की अवधि के लिए इसे 8.7फीसदी से बढ़ाकर 8.75फीसदी कर दिया है। आरबीआई ने 2016 में एमसीएलआर सिस्टम को पेश किया था। यह किसी वित्तीय संस्थान के लिए एक इंटरनल बेंचमार्क है। एमसीएलआर प्रोसेस में लोन के लिए मिनिमम ब्याज दर तय की जाती है। एमसीएलआर एक न्यूनतम ब्याज दर है, जिस पर बैंक उधार दे सकता है।

महिंद्रा एंड महिंद्रा केरल में लगाएगी इलेक्ट्रिक वाहन का कारखाना

नई दिल्ली । देश की प्रमुख वाहन कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा केरल में इलेक्ट्रिक वाहन का कारखाना लगाने की योजना बना रही है। एक खबर में कहा गया है कि भारत की एक वाहन कंपनी और चीन की कंपनी शांक्सी ने 3 अरब डॉलर का साझा उपक्रम बना सकती है। इस उपक्रम के तहत गुजरात में कार उत्पादन प्लांट लगाया जाएगा। इस करार को केंद्र की मंजूरी मिलने का इंतजार किया जा रहा है। मगर महिंद्रा ने इस खबर को बेबुनियाद करार दिया। इस बीच केरल के उद्योग मंत्री पी राजीव ने बताया कि प्लांट लगाने के लिए बातचीत चल रही है। देश से बाहर की कुछ कंपनियां केरल आ रही हैं क्योंकि यहां ईवी का बड़ा बाजार है। हमारा इस पर जोर है। महिंद्रा अगले हफ्ते बात करने आएगी। उन्होंने कहा कि बातचीत सफल रही तो अगले साल फरवरी में प्रस्तावित वैश्विक निवेशक सम्मेलन से पहले केरल में औद्योगिक क्षेत्र को बड़ा प्रोत्साहन मिलेगा। इलेक्ट्रिक यात्री वाहनों के लिहाज से केरल इस समय देश में सबसे आगे है। बीएनपी पारिबा की एक रिपोर्ट के अनुसार केरल में कुल वाहनों में 5.2 फीसदी ईवी हैं। वैश्विक निवेशक सम्मेलन से पहले केरल चेन्नई, बेंगलूरु, मुंबई और दिल्ली में रोडशो कर राज्य की क्षमता को प्रदर्शित करेगा।

हिमाचल की मंडियों में पहुंची सेब की 7.75 लाख पेटियां

शिमला । हिमाचल प्रदेश के सेब ने बाजार में इस बार धूम मचाई है। हिमाचल ही नहीं बल्कि पड़ोसी राज्यों में भी प्रदेश का सेब पहुंचना शुरू हो चुका है। अभी सेब सीजन की शुरुआत में अच्छा भाव मिल रहा है। प्रदेश के कम ऊंचाई वाले क्षेत्रों का सेब बाजार में आ रहा है। अभी तक बाजार में 7 लाख 75 हजार 884 पेटियां पहुंच चुकी हैं। मंडी समितियों के अनुसार पूरा सेब यूनिवर्सल कॉर्टन में जा रहा है और अहम बात है कि 20 किलो की पैकिंग में ही सेब भेजा गया है। बाहरी राज्यों की मंडियों में अब तक प्रदेश से 2 लाख 98 हजार 207 सेब पेटी जा चुकी है। प्रदेश से बाहर की मंडियों में गए इस सेब को वहां अच्छा भाव मिल रहा है। बताया जाता है कि दिल्ली में भी रॉयल सेब चार हजार रुपए से ऊपर के दाम में बिकी है। हिमाचल की मंडियों में सेब को इससे भी अधिक भाव मिल रहा है। यहां पर अधिकतम भाव 4700 रुपए प्रति पेटी तक जा चुका है। हिमाचल प्रदेश की मंडियों में 4 लाख 77 हजार 677 पेटियां अब तक पहुंच चुकी हैं। भट्टाकुफर मंडी में अब तक 1 लाख 66 हजार 489 सेब पेटियां पहुंची। पराला मंडी में 2 लाख 56 हजार 220 पेटियां पहुंच चुकी हैं। नेरवा में 9799 बॉक्स पहुंचे हैं, तो मेंहदली मंडी में 45 हजार 169 पेटियां पहुंची हैं। आंकड़ों के मुताबिक एचपीएमसी ने अब तक 600 टन सेब की खरीद कर दी है और एचपीएमसी के 97 सेंटर में सेब की कलेक्शन का दौर शुरू हो गया है।

वित्त मंत्री आरबीआई की बैठक में पहुंची, बोलीं- बैंकिंग कानून में बदलाव जरूरी

- वित्त मंत्री ने बैंकों को कोर बैंकिंग पर ध्यान देने की जरूरत पर जोर दिया

नई दिल्ली ।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण शनिवार को राष्ट्रीय राजधानी में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के केंद्रीय निदेशक मंडल के सदस्यों की बैठक में शामिल हुईं। यह बैठक केंद्रीय बजट 2024-25 के बाद और लोकसभा द्वारा वित्त विधेयक पारित किए जाने के कुछ दिनों बाद आयोजित की गई थी, जिसमें सरकार द्वारा संसद में कुछ संशोधन पेश किए गए थे। वित्त मंत्री ने बैंकों को कोर बैंकिंग पर ध्यान देने की जरूरत पर जोर दिया। बैठक के दौरान सीतारमण ने बैंकों को अपने महत्वपूर्ण कारोबार की प्राथमिकता तय करने की जरूरत पर जोर देते हुए कहा कि आरबीआई और सरकार दोनों चाहते हैं कि बैंक कोर बैंकिंग पर ध्यान दें। हम जो बैंकिंग कानून में संशोधन ला रहे हैं। उसके कई कारण हैं। यह कुछ समय से लंबित है, इसका लंबे समय से इंतजार किया जा रहा था। सहकारी क्षेत्र के बैंकिंग क्षेत्र के संबंध में भी इसमें कुछ बदलाव प्रस्तावित हैं। लोगों को अपने खातों में एक से अधिक लोगों को नॉमिनेट करने की सुविधा मिलेगी। यह एक ग्राहक-अनुकूल कदम है क्योंकि मुझे लगता है कि ग्राहकों के लिए यह विकल्प होना महत्वपूर्ण है और यह भी सुनिश्चित करना है कि नामांकित व्यक्ति को बाद में दावा करने में किसी भी कठिनाई का सामना न करना पड़े। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने कहा कि नामांकन का मुद्दा लंबे समय से लंबित रहा है और इस बदलाव से कारोबार सुगमता में सुधार होगा। जहां तक दावा न की गई जमाराशियों का संबंध है, पिछले वर्ष हमने एक विशेष अभियान चलाया था जिसके अंतर्गत हमने प्रत्येक बैंक को सलाह दी थी कि प्रत्येक शाखा को अपनी अदावाकृत जमाराशियों के मामले में स्वयं सक्रिय रूप से कार्य करना चाहिए। शीर्ष दस गैर-दावाकृत जमाराशियों की पहचान करने के लिए विशेष कदम उठाने चाहिए और ऐसे वक्तियों तक व्यक्तियों तक पहुंचना चाहिए। प्रगति संतोषजनक रही है।

बैठक में आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास और बैंक के निदेशक मंडल के के अन्य सदस्य मौजूद थे। बैठक में बजट प्रावधानों और देश में मौजूदा आर्थिक स्थितियों पर चर्चा की गई।

लगातार दूसरे सप्ताह शेयर बाजार में रही गिरावट

- सेंसेक्स 819.69 अंकों की बढ़त के साथ 79,705.91 पर बंद

- निफ्टी 250.50 अंक मजबूत होकर 24,367.50 पर बंद

मुंबई ।

अमेरिकी मंदी की आशंका, मध्य पूर्व में भूराजनीतिक तनाव, भारतीय रिजर्व बैंक की उम्मीद के मुतो बिक पो लिसी के नतीजे और भारतीय कंपे नियों के मिलेजुले वित्तीय पे रिणामों की वजह से शुक्रवार को समाप्त हुए दूसरे सप्ताह में घरेलू शेयर बाजार में गिरावट जारी रही। पिछले सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव देखा गया। सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार खुलते ही क्रैश हो गया। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 2401.49 अंक गिरकर 78,580.46 पर खुला और 2,222.55 अंकों की गिरावट के साथ 78,759.40 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 489.65 अंक का गोता लगाकर 24,228.05 पर खुला और 2.68 फीसदी की गिरावट के साथ 24,055.60 पर बंद हुआ। सोमवार को बड़ी गिरावट के बाद मंगलवार को सेंसेक्स 921 अंक बढ़कर 79,680 पर खुला और 166.33 अंक टूटकर 78,593.07 पर बंद हुआ। निफ्टी-50 भी तेजी के साथ 262 अंक बढ़कर 24,318 पर खुला और 63.05 अंक फिसलकर 23,992.55 पर बंद हुआ। भारतीय बेंचमार्क इक्विटी इंडेक्स, सेंसेक्स और निफ्टी में बुधवार को 1 फीसदी से अधिक की बढ़त देखी गई। सेंसेक्स 740 अंकों की मजबूती के साथ 79,353.53 पर खुला और 874.94 अंकों की बढ़त के साथ 79,468.01 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी लगभग इसी समय 296.55 अंकों की बढ़त के साथ 24,289.50 पर खुला और 317.46 अंक चढ़कर 24,310.00 के स्तर पर पहुंचकर बंद

हुआ। आरबीआई के फैसले के बाद गुरुवार के कारोबारी दिन भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत नकारात्मक रही। बीएसई सेंसेक्स 181 अंक गिरकर 79,286 पर खुला और 581.79 अंक टूटकर 78,886.22 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी50 56 अंक गिरकर 24,240 पर खुला और 180.50 अंक गिरकर 24,117 अंक पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 789 अंक उछलकर 79,675 पर खुला और 819.69 अंकों की बढ़त के साथ 79,705.91 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी50 235 अंक बढ़कर 24,352 पर खुला और 250.50 अंक मजबूत होकर 24,367.50 के स्तर पर बंद हुआ।

हिंडनबर्ग ने फिर किया एक ट्वीट, भारत में मची खलबली

नई दिल्ली। अमेरिकी शॉर्ट सेलर कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च ने शनिवार को फिर एक ट्वीट कर दिया है, जिससे भारत में खलबली मच गई है। इस पोस्ट में भारत पर एक नई रिपोर्ट की संभावना का संकेत दिया है। बता दें कि जनवरी 2023 में हिंडनबर्ग ने अडानी समूह पर वित्तीय अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए एक रिपोर्ट प्रकाशित की, जिससे कंपनी के शेयर की कीमत में भारी गिरावट आई. उस समय समूह ने इन आरोपों को खारिज कर दिया था। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में समूह द्वारा शेयरों में हेरफेर और धोखाधड़ी का आरोप लगाया गया था। यह मामला शॉर्ट सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च की एक रिपोर्ट के आरोपों से जुड़ा है, जिसमें कहा गया था कि अडानी ने अपने शेयरों की कीमतें बढ़ा दी हैं। इन आरोपों के प्रकाशित होने के बाद अडानी समूह की विभिन्न कंपनियों के शेयरों में तेजी से गिरावट आई, जो 100 बिलियन डॉलर से अधिक की थी। अमेरिकी शॉर्ट सेलर की रिपोर्ट अडानी एंटरप्राइजेज द्वारा जारी 2.5 बिलियन डॉलर के फॉलो-अप पब्लिक ऑफरिंग से दो दिन पहले प्रकाशित हुई थी। अडानी समूह ने हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट में लगे सभी आरोपों का बार-बार खंडन किया है। इस साल जुलाई में भारत के एक वरिष्ठ वकील ने आरोप लगाया था कि चीनी संबंधों वाले एक अमेरिकी व्यवसायी ने हिंडनबर्ग रिसर्च को एक रिपोर्ट तैयार करने का काम दिया था, जिससे जनवरी-फरवरी 2023 में अडानी समूह की कंपनियों के शेयरों में भारी गिरावट आई थी।

बांग्लादेश में हिंसा से व्यापार ठप, गुजरात के व्यापारियों का अटका 1200 करोड़

- भारत और बांग्लादेश के बीच 2023 में 14 अरब डॉलर का व्यापार हुआ

नई दिल्ली ।

बांग्लादेश में चल रही हिंसा की वजह से वहां कारोबार पूरी तरह से ठप हो गया है, जिससे गुजरात के व्यापारियों और व्यवसायियों को बड़ा झटका दिया है।

बांग्लादेश में हिंसा से गुजरात के व्यापारियों का 1,200 करोड़ अटका हुआ है। देश में व्यापक विरोध प्रदर्शन के बाद प्रधानमंत्री शेख हसीना के इस्तीफा देकर देश छोड़ने के बाद अंतरिम सरकार के गठन के बाद भारतीय व्यापारी उम्मीद कर रहे हैं कि बांग्लादेश में स्थिति सामान्य होगी और फिर से व्यापार चालू होगा। गुजरात से बांग्लादेश को रिएक्टिव डाईज, केमिकल्स, पिगमेंट पेस्ट, हैंडलूम उत्पाद, दवाईयां और टाइल्स का निर्यात किया जाता है।

गौरतलब है कि रूस-यूक्रेन युद्ध और यूरोप में मंदी के बाद बांग्लादेश डाईज, केमिकल्स और इंटरमीडिएट्स जैसे सामानों के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार बन गया था। लेकिन बांग्लादेश में भड़की हिंसा और सत्ता परिवर्तन ने एक बार फिर व्यापार पर ग्रहण लगा दिया है। गुजराती व्यापारियों को चिंता है कि बांग्लादेशी बैंकों द्वारा जारी लेटर्स ऑफ क्रेडिट वर्तमान में वहां की भारत विरोधी भावना के कारण सम्मानित नहीं किए जाएंगे।

एक रिपोर्ट के अनुसार गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के एक वरिष्ठ अधिकारी का कहना है कि भारत और बांग्लादेश के बीच 2023 में 14 अरब डॉलर का व्यापार हुआ। जिसमें भारत ने 12.2 अरब डॉलर मूल्य का का निर्यात किया और 1.8 अरब डालर का आयात हुआ। इस वर्ष व्यापार और बढ़ने की उम्मीद थी, लेकिन बांग्लादेश में राजनीतिक उथल-पुथल से व्यापार ठप हो गया है।

बांग्लादेश में मची उथल-पुथल का सूरत के कपड़ा व्यापार को सबसे ज्यादा झटका लगा है। करीब 500 करोड़ का कपड़ा कारोबार प्रभावित हुआ है। सूरत से पिछले साल 1200 करोड़ रुपए का कपड़ा बांग्लादेश को एक्सपोर्ट किया गया था।

जुलाई महीने में भी निवेशकों ने 23 हजार करोड़ से ज्यादा का निवेश किया

नई दिल्ली ।

जुलाई महीने में भी छोटे और खुदरा निवेशकों ने 23 हजार करोड़ से ज्यादा का निवेश किया है। यह किसी महीने में किया गया अब तक का सबसे ज्यादा पैसा है। यह जानकारी एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़े से मिली है। इस विकल्प में निवेशकों का इसलिए सबसे ज्यादा पैसा लगा, क्योंकि इसमें ब्याज की गणना एक खास फॉर्मूले पर होती है, जिसे महान साइंटिस्ट आईंस्टीन ने आठवां अजूबा बताया था।एम्फी ने बताया है कि जुलाई महीने में एसआईपी यानी व्यवस्थित निवेश योजना के जरिये मासिक योगदान बढ़कर अब तक के सर्वाधिक स्तर 23,332 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इससे पहले के महीने में यह 21,262 करोड़ रुपये था। एम्फी के आंकड़ों के अनुसार यह लगातार 41वां महीना है जब इक्विटी फंड में निवेश प्रवाह बढ़ा है। म्यूचुअल फंड के सिप और लम्पसम दोनों तरीके से निवेश किया जा सकता है। दोनों ही तरीकों में आपको चक्रवृद्धि का फायदा मिलता है। अगर आप बैंक में एफडी कराते हैं तो इस पर साधारण ब्याज ही मिलता है। कंपाउंड इंट्रेस्ट का मतलब है कि इस साल मिले ब्याज पर भी आपको अगले साल ब्याज दिया जाएगा। इस तरह साल दर साल ब्याज का पैसा मूलधन में जुड़ जाता है और आपका छोटा सा फंड भी बड़े कॉर्पस में बदल जाता है। एम्फी के अनुसार इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश प्रवाह जुलाई महीने में मासिक आधार पर नौ प्रतिशत घटकर 37,113 करोड़ रुपये रहा है। बड़ी, छोटी और मझोली कंपनियों से जुड़े शेयरों में निवेश में कमी से कुल प्रवाह कम रहा। हालांकि गिरावट के बावजूद जुलाई में निवेश प्रवाह का आंकड़ा किसी एक महीने में दूसरा सर्वाधिक है। जून में निवेश प्रवाह 40,608 करोड़ रुपये था।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

नई दिल्ली ।

तेल कंपनियों ने शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल की नई कीमतों को अपडेट कर दिया है। इन कीमतों में अभी कोई बदला नहीं किया गया है। बता दें कि फ्यूल की कीमतों पर सीधा असर कच्चे तेल का पड़ता है। ऐसे में अगर क्रूड ऑयल की कीमतों में बदलाव हुआ तो फ्यूल की कीमतें भी बदल सकती हैं। गौरतलब है कि इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड देश की प्रमुख ऑयल मार्केटिंग कंपनियां है, जो ईंधन के भाव तय करती है। इसके साथ ही रोज इनके भाव को भी अपडेट करती है। राज्य सरकार भी फ्यूल की कीमतों पर वेट लगाती है, जिससे हर शहर या राज्य में कीमतें अलग-अलग होती हैं। तेल कंपे नियों की वेबसाइट के अनुसार मेट्रोसिटी और अन्य शहरों में पेट्रोल-डीजल की ताजा कीमत है- दिल्ली में एक लीटर पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये प्रति लीटर और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये प्रति लीटर और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये प्रति लीटर और डीजल की कीमत 92.34 रुपये प्रति लीटर है। वहीं नोएडा में पेट्रोल 94.83 रुपये प्रति लीटर और डीजल 87.96 रुपये प्रति लीटर, गुरुग्राम में पेट्रोल 95.19 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.05 रुपये प्रति लीटर, बेंगलुरु में पेट्रोल 102.86 रुपये प्रति लीटर और डीजल 88.94 रुपये प्रति लीटर, चंडीगढ़ में पेट्रोल 94.24 रुपये प्रति लीटर और डीजल 82.40 रुपये प्रति लीटर, हैदराबाद में पेट्रोल 107.41 रुपये प्रति लीटर और डीजल 95.65 रुपये प्रति लीटर,जयपुर में पेट्रोल 104.88 रुपये प्रति लीटर और डीजल 90.36 रुपये प्रति लीटर और पटना में पेट्रोल 105.18 रुपये प्रति लीटर और डीजल 92.04 रुपये प्रति लीटर है।

ओपन-एंडेड इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश घटकर 37,000 करोड़ हुआ

नई दिल्ली ।

जुलाई में ओपन-एंडेड इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश 8.61 प्रतिशत घटकर 37,113.39 करोड़ रह गया। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स ऑफ इंडिया (एएमएफआई) द्वारा जारी किए गए आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। एसोसिएशन का कहना है कि ऐसा लार्ज-कैप और मिड-कैप फंडों में निवेश में गिरावट के कारण हुआ है। इससे पहले जून में इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश 17 फीसदी बढ़कर 40,608.19 करोड़ रुपये के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया था। जुलाई के दौरान मासिक सकल व्यवस्थित निवेश योजना (एसआईपी) प्रवाह 23,332 करोड़ के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। जून में ये 21,262 करोड़ थे। बाजार के जानकारों का कहना है कि मल्टीकैप फंडों ने पिछले तीन महीनों में लगातार अधिक निवेश आकर्षित किया है, जो 24 जुलाई में 7,080 करोड़ तक पहुंच गया। हालांकि मिडकैप फंडों में इस महीने इन्फ्लो धीमा रहा, जबकि स्मॉल कैप में 2,000 करोड़ निवेश आया है जो जून में आए निवेश के बराबर है। लेकिन यह जानकार हैरानी हो रही है कि लार्ज-कैप फंडों में जून 2024 की तुलना में अधिक प्रवाह नहीं देखा गया है, लेकिन लार्ज कैप पर निर्भर रहने वाले डिविडेंड यील्ड फंड तुलनात्मक रूप से अधिक 630 करोड़ रुपये का निवेश प्राप्त किया है। यह पिछले महीने 520 करोड़ था। उन्होंने कहा कि

एसआईपी 23,332 करोड़ के नए शिखर पर पहुंच गई, जो घरेलू निवेशकों की भारतीय अर्थव्यवस्था के बुनियादी सिद्धांतों में उनके मजबूत विश्वास को दर्शाता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

जया को रोऊँ की रोऊँ जगदीप को ?

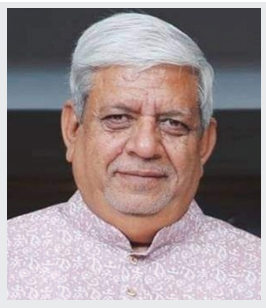

राकेश अचल

आज और कल का दिन इस मुद्दे का सम्यक हल निकालने के लिए सत्तापक्ष और खुद धनकड़ साहब के पास है । धनकड़ साहब को समझ लेना चाहिए कि अकड़ से काम नहीं चलेगा । उन्हें इस मामले में अपना आदर्श पूर्व सभापति स्वर्गीय डॉ शंकर दयाल शर्मा के व्यवहार को बना लेना चाहिए।

राज्यसभा में पांचवीं बार पहुंची सातवें दशक की गुड्डी यानि आज की जया बच्चन और राज्यसभा के सभापति जगदीप घनकड़ के बीच हुए वाक्युद्ध के बाद लगता है के राजनीति में कड़वाहट का नया अध्याय शुरू होगा। इस नए अध्याय में जया बच्चन का तो कुछ नहीं बिगड़ेगा लेकिन जगदीप धनकड़ हमेशा के लिए एक नाकाम सभापति के रूप में दर्ज हो जायेंगे ,भले ही विपक्ष द्वारा लाया जाने वाला अविश्वास प्रस्ताव सदन में पारित हो या न हो।

संसद के उच्च सदन के सभापति लोकसभा के अध्यक्ष श्रीमान ओम बिरला की ही तरह कठपुतली साबित हुए हैं। दोनों अपने आपको भाजपा का र्यकता होने की ग्रंथि से मुक्त नहीं हो पाए। काश यदि ऐसा हो जाता दो सदन को और देश को ऐसे बुरे दिन नहीं देखना पड़ते। समस्या ये है की हम धनकड़ का समर्थन करें या जाया बच्चन का ? जया बच्चन अपनी जगह सही हैं और धनकड़ को तो सही होना ही है क्योंकि वे सभापति हैं। लेकिन दुनिया भर के देहभाषा विशेषज्ञ बता सकते हैं कि राज्य सभा में इस कड़वाहट के लिए जिम्मेदार कौन है ?

राज्यसभा के सभापति श्रीमान जगदीप घनकड़ ने घाट -घाट का पानी पिया है लेकिन वे उम्र और अनुभव में जया बच्चन से उन्नीस ही बैठते है। जगदीप जी, जया से तीन साल छोटे है। वे केंद्र में एक बार मंत्री रहे हैं लेकिन जया बच्चन राज्य सभा में पांचवीं बार आयीं हैं । धनकड़ साहब 1978 से सार्वजनिक जीएवं में हैं और जया बच्चन 1968 से। मैंने उनकी पहली फिल्म महानगर भी देखी है और आखरी फिल्मी ड्रामा रॉकी और रानी की प्रेम कहानी भी देखी है । जब मै युवा था तब मेरी निकटता एक पत्रकार के रूप में जया बच्चन के पिताश्री स्वर्गीय तरुण भादुड़ी से भी थी। वे बताया करते थे कि जया बचपन से तुनकमिजाज रही है ,लेकिन लड़ती हमेशा मुद्दों को लेकर है।

धनकड़ साहब को मै एक केंद्रीय मंत्री के रूप में याद नहीं कर पा रहा हूँ । वे 1990 -91 में तत्कालीन प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की अल्पजीवी सरकार के संसदीय कार्यमंत्री थे। धनकड़ की असल पहचान पश्चिम बंगाल के राज्यपाल

बनने के बाद हुई । राज्यपाल के रूप में जगदीप साहब ने जिस तरह से भाजपा कार्यकर्ता के रूप में बंगाल की मुख्यमंत्री सुश्री ममता बनर्जी से टक्कर ली उसने उन्हें सुर्खियों में ला दिया। बंगाल में उनकी कोशिशों के बावजूद ममता सत्ताच्युत नहीं हो पायीं ,लेकिन धनकड़ साहब की ईनाम स्वरूप देश का उपराष्ट्रपति बना दिया गया। इस नाते वे राज्यसभा के सभापति बन गए ,लेकिन वे ये याद नहीं रख पाए कि एक राज्यपाल की भूमिका और एक सभापपति की भूमिका में जमीन -आसमान का भेद है। माननीय धनकड़ साहब को मै लोकसभा के अध्यक्ष ओम बिरला जी के मुकाबले ज्यादा योग्य मानता हूँ। ये मेरी निजी राय है । वे वाकपटु हैं ,विनोदी हैं, सहनशील हैं लेकिन बिरला और धनकड़ में जो समानता है वो ये है कि दोनों अपने आपको मोशा की जोड़ी का वफादार साबित करने की होड़ में स्तरहीन साबित हो गए हैं।

शुक्रवार को राज्यसभा में धनकड़ और जया बच्चन की तकरार जिसने भी देखी उसे ये समझने में कोई दिक्कत नहीं हुई होगी कि धनकड़ साहब आपे से बाहर थे। जया बच्चन ने जो मुद्दा उठाया था उसे सहजता से सुलटाया जा सकता था । उसके लिए किसी कानून की नहीं बल्कि हिकमत अमली की जरूरत थी । लेकिन धनकड़ साहब लगातार इस बात पर अड़े रहे कि जया बच्चन का जो नाम रिकार्ड में दर्ज है वे उसी का उल्लेख कर रहे हैं। सवाल ये है की क्या वे ऐसा सबके साथ करते हैं ? क्या कभी उन्होंने नरेंद्र मोदी जी को रिकार्ड में दर्ज नरेंद्र दामोदर दास मोदी या गृहमंत्री अमित शाह को उनके पूरे नाम से सम्बोधित किया ? शायद नहीं किया और कर भी नहीं सकते क्योंकि वे सरकार के एजेंट के रूप में काम करते दिखाई देते है। देश ने उन्हें सभापपति कि पद पर बैठकर आरएसएस का समर्थन करते हुए देखा है। धनकड़ साहब जितने अविश्वसनीय बंगाल कि राज्यपाल कि रूप में थे ,उतने ही अविश्वसनीय राज्य सभा कि सभापति के रूप में भी हैं।

हमारे यहां कहते हैं कि - अभी भी बेटी बाप की है अर्थात यदि धनकड़ साहब अपने व्यवहार के लिए खेद प्रकट कर दें तो मुमकिन है कि विपक्ष उन्हें माफ कर दे ,लेकिन यदि वे इतना भी नहीं करते तो तय है कि विपक्ष उनके खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव ला सकता है। सत्ता पक्ष धनकड़ को बचाने कि लिए विपक्ष कि खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रहा है। लेकिन ये समस्या का समाधान नहीं है ,बल्कि इससे कटुता और बढ़ेगी और भविष्य में सदन को चलना मुश्किल हो जाएगा। धनकड़ के व्यवहार को लेकर जया बच्चन इस बार अकेली नहीं हैं। समूचा विपक्ष उनके समर्थन में सदन का बहिष्कार कर चुका है। जया बच्चन ने भी साफ कह दिया है कि इस मुद्दे पर वे निजी रूप से कोई फैसला नहीं लेंगी ,जो करना है विपक्ष को करना है । विपक्ष के नेता जो कहेंगे सो होगा। यानि पेंच उलझ गया है।

आज और कल का दिन इस मुद्दे का सम्यक हल निकालने के लिए सत्तापक्ष और खुद धनकड़ साहब के पास है । धनकड़ साहब को समझ लेना चाहिए कि अकड़ से काम नहीं चलेगा । उन्हें इस मामले में अपना आदर्श पूर्व सभापति स्वर्गीय डॉ शंकर दयाल शर्मा के व्यवहार को बना लेना चाहिए। अन्यथा किरकिरी धनकड़ साहब की ही होने वाली है। जया बच्चन का कुछ नहीं बिगड़ने वाला। इस मामले में भाजपा के नेतृत्व से कोई अपेक्षा करने का कोई अर्थ नहीं है। देखिये राजयसभा में कटुता की बेल मुरझाती है या और फैलती है।? मेरी मुश्किल है कि मै न जया बच्चन को सराहना चाहता हूँ और न धनकड़ साहब को । जया जी को भी समझना चाहिए की वे 1971 वाली जया नहीं हैं। वे 2024 की जया बच्चन हैं।

संपादकीय

खुशी का माहौल

हाकी और जेवलिन थ्रो में आए कांस्य और रजत पदकों के आने पर देश में एक बार फिर खुशी का माहौल बन गया है। असल में विनेश फोगाट के फाइनल में पहुंचने के बाद अयोग्य होने से देश सदमे की स्थिति में पहुंच गया है। यह सच है कि हाकी का पदक देशवासियों में एक अलग ही ऊर्जा पैदा करता है। इसकी वजह इस खेल में दशकों तक भारत की बादशाहत बना रहना है। इसकी वजह से ही देशवासी हाकी को दिलो-जान से चाहते हैं। भारत टोक्यो ओलंपिक में जब 41 साल बाद ओलंपिक हाकी में कांस्य पदक जीतकर पोड़ियम पर चढ़स्र था, तो उसने टीम और देश को भावुक बनाया था, लेकिन इस बार पोड़ियम पर चढ़ने ने भरोसा बनाया है कि अब हम बिग लीग वाली टीमों में शामिल ही नहीं हुए हैं बल्कि किसी भी टीम को हरा सकने का माद्दा रखते हैं। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कांस्य पदक जीतने के बाद जो कहा, वह इसकी ही तस्दीक करती है। उन्होंने कहा कि लगातार दूसरे ओलंपिक में पदक जीतना हमारे लिए बहुत बड़ा पल है पर हमें सोने का तमगा नहीं जीत पाने का अफसोस है। इस बात में दम भी है। भारत ने ग्रुप मुकाबलों में ऑस्ट्रेलिया जैसी दिग्गज टीम को हराया और क्वार्टर फाइनल में ग्रेट ब्रिटेन को फतह किया। जर्मनी के खिलाफ यदि कुछ गलतियां नहीं होतीं तो फाइनल तो खेल ही रहे होते। जहां तक बात नीरज चोपड़ा की है तो उनके स्वर्ण के बजाय रजत जीतने में उनके प्रयासों में कमी का नतीजा ना होकर नदीम अशरफ के असाधारण प्रदर्शन का नतीजा है। सही मायनों में एक बार नदीम के 92.97 मीटर की थ्रो करने के बाद सभी ने मान लिया था कि गोल्ड़ तो गया। हालांकि नीरज ने 89.45 मीटर का सीजन का बेस्ट प्रदर्शन किया। नीरज चोपड़ा लगातार दो ओलंपिक में स्वर्ण और रजत जीतने वाले भारत के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। हाकी के कांस्य और नीरज के रजत से देश में खुशियां जरूर आई हैं पर पिछले ओलंपिक से भी खराब प्रदर्शन करके एक रजत और चार कांस्य पदक जीतना अच्छा प्रदर्शन तो कतई नहीं है। इसमें विनेश का पदक और जुड़.सकता है। इतना जरूर है कि विनेश यदि सोने का तमगा ले आतीं तो प्रदर्शन पिछली बार से बेहतर हो सकता था। यह जरूर है कि हमारे चार पांच खिलाड़ी बहुत ही मामूली अंतर से पिछड़क र चौथे स्थान पर रहे और वह पदक से वंचित हो गए। पर इससे लगता है कि खिलाड़िय़ों की मानसिक मजबूती पर काम करने की जरूरत है। इस क्षेत्र में काम कर-के प्रदर्शन को सुधारा जा सकता है।

चिंतन-मनन

उपयोगी हल

एक बार की बात है एक राजा था। उसका एक बड़ा-सा राज्य था।एक दिन उसे देश घूमने का विचार आया और उसने देश भ्रमण की योजना बनाई और घूमने निकल पड़ा। जब वह यात्रा से लौट कर अपने महल आया। उसने अपने मंत्रियों से पैरों में दर्द होने की शिकायत की। राजा का कहना था कि मार्ग में जो कंकड़ पत्थर थे वे मेरे पैरों में चुभ गए और इसके लिए कुछ इंतजाम करना चाहिए। कुछ देर विचार करने के बाद उसने अपने सैनिकों व मंत्रियों को आदेश दिया कि देश की संपूर्ण सड़कें चमड़े से ढंक दी जाएं। राजा का ऐसा आदेश सुनकर सब सकते में आ गए। लेकिन किसी ने भी मना करने की हिम्मत नहीं दिखाई। यह तो निश्चित ही था कि इस काम के लिए बहुत सारे रुपए की जरूरत थी। लेकिन फिर भी किसी ने कुछ नहीं कहा। कुछ देर बाद राजा के एक बुद्धिमान मंत्री ने एक युक्ति निकाली।

उसने राजा के पास जाकर डरते हुए कहा कि मैं आपको एक सुझाव देना चाहता हूँ। अगर आप इतने रुपयों को अनावश्यक रूप से बर्बाद न करना चाहें तो एक अच्छी तरकीब मेरे पास है। जिससे आपका काम भी हो जाएगा और अनावश्यक रुपयों की बबार्दी भी बच जाएगी। राजा आश्चर्यचकित था क्योंकि पहली बार किसी ने उसकी आज्ञा न मानने की बात कही थी। उसने कहा बताओ क्या सुझाव है। मंत्री ने कहा कि पूरे देश की सड़कों को चमड़े से ढंकने के बजाय आप चमड़े के एक टुकड़े का उपयोग कर अपने पैरों को ही क्यों नहीं ढंक लेते। राजा ने अचरज की दृष्टि से मंत्री को देखा और उसके सुझाव को मानते हुए अपने लिए जूता बनवाने का आदेश दे दिया। यह कहानी हमें एक महत्वपूर्ण पाठ सिखाती है कि हमेशा ऐसे हल के बारे में सोचना चाहिए जो ज्यादा उपयोगी हो। जल्दबाजी में अप्रायोगिक हल सोचना बुद्धिमानी नहीं है। दूसरों के साथ बातचीत से भी अच्छे हल निकाले जा सकते हैं।

महिला पहलवान विनेश फोगाट को देश के लिए फिर से उठना होगा!

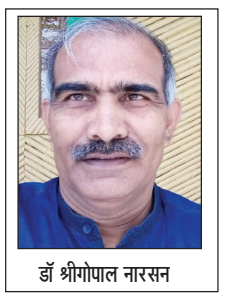

डॉ श्रीगोपाल नारसन

महिला पहलवान विनेश फोगाट के पेरिस ओलंपिक से बाहर हो जाने पर राजनीति करने के बजाए उस बेटी को होंसला देंकर फिर से देश के लिए कुश्ती के मैदान में उतारने की आवश्यकता है।विनेश फोगाट पेरिस ओलंपिक में निर्धारित वजन से कुछ ग्राम अधिक वजन होने के कारण अयोग्य घोषित की गई हैं।इसी कारण विनेश अब ओलंपिक में कोई मेडल नहीं जीत सकेंगी।

विनेश फोगाट महिलाओं के 50 किलोग्राम भार वर्ग के फ्री स्टाइल स्पर्धा में पेरिस ओलंपिक में चुनौती पेश कर रही थीं। लेकिन जब उनका वजन किया गया तो उनका वजन मान्य वजन से कुछ ग्राम ज्यादा पाया गया।भारतीय दल ने विनेश के वजन को 50 किलोग्राम तक लाने के लिए थोड़ा समय मांगा लेकिन अंततः विनेश फोगाट को तय वजन से कुछ अधिक भार होने के कारण अयोग्य घोषित कर दिया गया।वजन लेने के समय महिला खिलाड़ी केवल सिंगलेट यानी स्लीवलेस शर्ट ही पहन सकते हैं।साथ ही बढ़े हुए वजन के मामले में कोई समझौता नहीं हो सकता है।किसी भी भार वर्ग के मुकाबले के पहले दिन सुबह के समय मेडिकल जाँच और वजन किया जाता है।इस दौरान रेसलर मेडिकल परीक्षण से गुजरते हैं। यहां फि जिशियन ऐसे किसी भी रेसलर को बाहर का रास्ता दिखा देते हैं, जिनसे कोई संक्रामक रोग फैलने के लक्षण हो। खिलाड़ियों को अपने नाखून भी छोटे-छोटे रखने पड़ते हैं।जो निर्धारित भारवर्ग के लिहाज से फिट पाए जाते हैं, उन्हें ही खेलने दिया जाता है। जो लोग फाइनल के लिए क्वॉलिफाई करते हैं, उन्हें दूसरे दिन की सुबह भी वजन करवाना होता है।यूडब्ल्यूडब्ल्यू के नियम कहते हैं कि इस दौरान भी वजन में किसी तरह का समझौता नहीं हो सकता।निर्धारित नियमों के अनुसार, वजन करने की पूरी प्रक्रिया के दौरान रेसलर के पास ये अधिकार है कि वे कितनी भी बार मशीन पर वजन करा सकते हैं। चुने गए रेफरियों की ये ज़िम्मेदारी होती है कि वे सभी भार वर्ग के प्रतिभागियों के वजन की जाँच करें, साथ ही ये भी सुनिश्चित करें कि खिलाड़ी सभी मानदंडों को पूरा करता हो।

अगर कोई एथलीट वजन की प्रक्रिया पूरी नहीं करता या इसमें फेल हो जाए तो उन्हें प्रतियोगिता से बाहर कर दिया जाता है और फिर उसे सबसे आखिरी पायदान पर रखा जाता है।अगर कोई फाइनलिस्ट प्लेयर फाइनल से पहले वजन को लेकर अयोग्य घोषित होता है तो उसकी जगह सेमीफाइनल में हारे खिलाड़ी को मौका दिया जाता है। ओलंपिक में किसी भार वर्ग के मुकाबले के लिए कई बार खिलाड़ी अपना वजन कम करते हैं, यह वेट कटिंग कहलाता है।ऐसा दुनियाभर के खिलाड़ी करते हैं।

खिलाड़ी किसी प्रतियोगिता के कुछ सप्ताह पहले से अपना वजन कम करना शुरू कर देते हैं। वजन धीरे धीरे कम करना सुरक्षित होता है और कुछ हफ़्ते पहले वजन कम करने में स्वास्थ्य के प्रति खतरे रहते हैं। सवाल यह भी उठता है कि आखिर खिलाड़ी ऐसा क्यों करते हैं?वास्तव में ज्यादा वजन वाले मुकाबले में खिलाड़ी के खिलाफ मुकाबला करना, उससे कम वजन वाले खिलाड़ी के लिए बड़े नुकसान वाला होता है।कुछ खिलाड़ी टूनामेंट से पहले अपना वजन घटाते हैं तो कुछ टूनामेंट से पहले वजन भी बढ़ा लेते हैं।

इससे बचने के लिए आयोजक एक भार वर्ग के सभी मुकाबले एक ही दिन में करा लेते थे,जबकि अब मुकाबला दो दिनों में होता है ताकि कोई खिलाड़ी एक ही दिन में बहुत ज्यादा वजन कम कर मुकाबले में न उतर सके।कई पहलवान जो कम वजन की कैटगरी में खेलना चाहते हैं, उनको अपना खाना पीना कम करना होता है।कुछ लोग भूखे रहते हैं और इसका प्रतिकूल प्रभाव उनके शरीर पर पड़ता है।खेल से पहले खिलाड़ियों को स्वस्थ में आई कमजोरी से भी उबरना चुनौती भरा होता है। ऐसे में खुद के शरीर में इस तरह के बदलाव लाना आसान नहीं होता । अगर किसी पहलवान का वजन बॉर्डर लाइन पर है तो उसे अनचाहे तनाव का सामना करना पड़ता है।ओलंपिक 2016 में 48 किलो कैटगरी में विनेश फोगाट को अपना वजन कम करना पड़ा था और ये चुनौतीपूर्ण भी रहा था।बाद में विनेश इस कैटगरी के तहत जगह बनाने और खेलने में सफल रही ।मगर चोट के कारण विनेश को बाहर उस समय बाहर हो जाना पड़ा।विनेश फोगाट टोक्यो ओलंपिक में 53 किलो कैटगरी में भी खेली थीं मगर क्वार्टफाइनल में हार गई थीं।पेरिस में विनेश ने कुछ दिन पहले ही कम कैटगरी में खेलने और वजन कम करने का फैसला लिया था,जो उस पर भारी पड़ गया।मात्र कुछ ग्राम अधिक वजन विनेश फोगाट पर भारी साबित हुआ।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, विनेश आप चैंपियनों की चैंपियन हैं,आप भारत का गौरव और हर एक भारतीय के लिए प्रेरणा हैं। आज के सेटबैक ने दुखी किया है, काश! मैं जिस पीड़ा को अनुभव कर रहा हूं उसे शब्दों में कह पाता।प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा, मैं जानता हूं कि आप में लड़ने की क्षमता है। चुनौतियों से टक्कर लेना हमेशा से आपका स्वभाव रहा है। आप और मजबूत होकर लौटिए, इस घड़ी में हम आपके साथ खड़े हैं।निश्चित ही प्रधानमंत्री का यह बयान विनेश फोगाट के हौंसले को बढाने वाला है।विनेश को भी अब कुश्ती से सन्यास के बेतुके निर्णय को छोड़कर पुनः कुश्ती के मैदान में उतरने के लिए तैयार होना चाहिए।

(लेखक राष्ट्रीय मुद्दों के चिंतक वरिष्ठ पत्रकार है)

नजूल विधेयक : बेवजह का बवाल

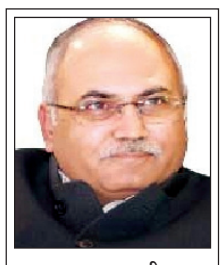

प्रह्लाद सबनानी

बीते सप्ताह उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विधान सभा में नजूल संपत्ति अधिनियम पेश किया गया। इस बिल को विधान सभा में तो पास कर दिया गया परंतु उत्तर प्रदेश विधान परिषद में इसका भारी विरोध हुआ जिसके चलते बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र चौधरी की मांग पर इसे सदन ने पास करने की जगह प्रवर समिति को भेजने का फैसला लेकर इसे फिलहाल ठंडे बस्ते में डाल दिया। उत्तर प्रदेश में कड़े फैसले लेने के लिए मशहूर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा लिया गया यह निर्णय सही जरूर प्रतीत होता है, परंतु जिस तरह इस विधेयक का विरोध उन्हीं की पार्टी द्वारा किया जा रहा है, तो ऐसी उम्मीद की जानी चाहिए कि आने वाले समय में शायद कुछ संशोधन के साथ इसे पुनः पेश किया जाए।

उल्लेखनीय है कि जिस भी जमीन का कोई वारिस न हो और वो सरकार के अधीन हो, उसे नजूल जमीन कहते हैं। गौरतलब है कि औपनिवेशिक शासन में अंग्रेजों द्वारा भारत में बड़ी संख्या में जमीनों पर कब्जा किया गया था, लेकिन आजादी के बाद जिस भी नागरिक के पास उसकी जमीन के दस्तावेज थे उन्हें उनकी जमीन वापस मिल गई, परंतु ऐसी कई जमीनें थीं जिनकी मिल्कियत के प्रमाण या जीवित स्वामी उपलब्ध नहीं थे। ऐसी जमीनों को सरकार ने अपने पास रखा, जिसे नजूल जमीन कहा गया। आजादी के बाद इस नजूल जमीन पर यदि कोई रह रहा था तो उससे सरकार ने किराया वसूलना शुरू किया और उस जमीन को लंबे समय के लिए लीज पर देना शुरू कर दिया। इसके बावजूद ऐसी कई नजूल जमीनें हैं जिन पर लोग अवैध कब्जा कर रह रहे हैं, परंतु जैसे ही उत्तर प्रदेश में नजूल संपत्ति अधिनियम पेश हुआ, तो सरकार ने इस बात को स्पष्ट कर दिया कि जिस-जिस नजूल जमीन पर लोग गैरकानूनी ढंग से रह रहे हैं या जिन नजूल जमीनों की लीज का किराया सरकार को नहीं दिया जा रहा, उस नजूल जमीन को उत्तर प्रदेश की सरकार वापस ले लेगी और इस भूमि को सरकारी विकास कार्य के लिए इस्तेमाल किया जाएगा। योगी जी द्वारा उठाया गया ये कदम सही था, परंतु विपक्ष को इस बात पर शक है कि विकास कार्य के नाम पर कहीं प्रदेश की लाखों करोड़ की हजारों एकड़ जमीन को अपने खास चुनिंदा लोगों के बीच बांट दिया जाएगा। इतना ही नहीं भाजपा के विधायक भी इस अधिनियम के विरोध में उतर आए हैं। उनका कहना है कि प्रदेश में ऐसी कई जमीनें हैं जिन पर शागिर्द-पेशा वाले परिवार रह रहे हैं, जो सदियों से वहां रह रहे हैं, परंतु उनके पास कोई भी प्रमाण नहीं है। ऐसे में उनका क्या होगा? कई भाजपा विधायकों का तो यह भी कहना है कि एक तरफ तो प्रधानमंत्री आवास योजना से बेघर लोगों को घर दिए जा रहे हैं और वहीं दूसरी ओर जो गरीब दशकों से यहां रह रहे हैं उन्हें बेघर किया जा रहा है। तो भला ऐसे बिल का क्या औचित्य? जैसे ही इस अधिनियम पर राजनीति तेज हुई विपक्ष भी खुलकर सामने आया। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष, अखिलेश यादव ने सोशल मीडिया पर इसका विरोध जताते हुए लिखा, 'नजूल लैंड का मामला पूरी तरह से 'घर उजाड़ने' का फैसला है क्योंकि बुलडोजर हर घर पर नहीं चल सकता है। जनता को दुख देने में भाजपा अपनी खुशी मानती है। जब से भाजपा आई है, तब से जनता रोजी-रोटी-रोजगार के लिए भटक रही है, और अब भाजपाई मकान भी छीनना चाहते हैं। क्या भू-माफियाओं के लिए भाजपा जनता को बेघर कर देगी? अगर भाजपा को लगता है कि उनका ये फैसला सही है तो हम डंके की चोट पर कहते हैं, अगर हिम्मत है तो इसे पूरे देश में लागू करके दिखाएं क्योंकि नजूल लैंड केवल यूपी में ही नहीं पूरे देश में है।' देखा जाए तो इस अधिनियम के विरुद्ध हो रहे विवाद में भाजपा और विपक्षी नेताओं का एतराज सही है।

यदि सरकार को ऐसा अधिनियम लाना ही था तो उसे नजूल भूमि पर सदियों से बसे हुए परिवारों को पुनर्वास करने की योजना भी बनानी चाहिए थी। इसके हर पहलू पर गहन विचार के बाद ही इसे पेश किया जाना चाहिए था। चूंकि उत्तर प्रदेश और केंद्र दोनों ही जगह भाजपा की सरकार है तो योगी जी को प्रधानमंत्री मोदी से इस पर चर्चा करनी चाहिए थी। इसे भाजपा शासित किसी छोटे राज्य में लागू करना चाहिए था। इस अधिनियम को लाने से पहले सरकार द्वारा यहां पर बसे लोगों को पुनर्वास करने की योजना बना लेनी चाहिए थी। सरकार को इन नजूल भूमि पर किए जाने वाले विकास कार्यों की सूची भी बना लेनी चाहिए थी। सरकार द्वारा नजूल भूमि पर अवैध रूप से पट्टे जारी करने वाले भ्रष्ट अधिकारियों को दंड देने का भी प्रावधान बनाना चाहिए था। यदि इन सब पहलुओं पर सरकार द्वारा नहीं सोचा गया तो ऐसा लगता है कि मुख्यमंत्री आदित्यनाथ को सलाह देने वाले अधिकारियों ने आनन-फानन में इस अधिनियम को पेश करवाया। देखना यह होगा कि आने वाले समय में प्रवर समिति इस अधिनियम पर क्या सुझाव देती है?

रुही की नई मैम

रुही नाइंथ क्लास में पढ़ती है और स्टडीज के अलावा वो स्पोर्ट्स में भी बहुत अच्छी है। वो इसी स्कूल में नर्सरी से पढ़ रही है। इसलिए उसे यहां के टीचर्स भी अच्छी तरह जानते हैं। इस साल स्कूल में एक नई टीचर आई हैं 'वैशाली मैम' जो रुही की क्लास टीचर भी हैं। वैशाली मैम ही उसे साइंस भी पढ़ाएंगी। रुही को पता नहीं क्यों कुछ ही दिनों में ऐसा लगने लगा जैसे वैशाली मैम उसे पसंद नहीं करतीं। उसे और भी यकीन हो गया जब क्लास में उसकी 'खास' फ्रेंड्स ने भी उसे यही कहा। इतने में ही स्कूल में एक इंटर स्कूल कॉम्पिटीशन आयोजित हुई। रुही ने सारी ही प्रतियोगिताओं में अपना नाम लिखवा दिया।

इस बार साधना मैम प्रोग्राम की इंचार्ज नहीं थीं जो कि ज्यादातर होती थीं और वे बिना पूछे ही रुही का नाम भी हर कॉम्पिटीशन में लिख देती थीं। इस बार इंचार्ज वैशाली मैम थीं। फिर अचानक कॉम्पिटीशन के कुछ दिन पहले असेंबली में प्रिंसीपल मैम ने बताया कि कोई भी स्टूडेंट ज्यादा से ज्यादा दो प्रतियोगिताओं में भाग ले सकता है और उन्होंने इस आइडिया के लिए वैशाली मैम को थैंक्स कहा। रुही को लगा जरूर वैशाली मैम ने उसके खिलाफ ये चाल चली होगी। रुही को इस बात से और भी बुरा लगा कि क्लास में सबसे पीछे बैठने वाली आंजना और सबसे मस्तीखोर पीयूष को वैशाली मैम ने स्ट्रिक्टली इन प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए कहा था। जबकि वो दोनों तो कभी किसी चीज में पार्टिसिपेट करते ही नहीं। रुही की 'खास' फ्रेंड्स ने इस बार भी उसके साथ मिलकर वैशाली मैम को बहुत बुरा-भला कहा।

अभी कॉम्पिटीशन शुरू होने में चार-पांच दिन बाकी थे कि एक दिन वैशाली मैम ने रुही को लंच ब्रेक में स्टाफ रूम में मिलने को कहा। बेमन से वह स्टाफ रूम में दाखिल हुई। वहां मैम के साथ पीयूष और आंजना भी थे। अब तो रुही का शक पक्का हो गया। उसने बहुत गुस्से में कहा- 'मे आय कम इन मैम।'

'ओह.रुही, प्लीज कम इन।'' वैशाली मैम मुस्कुराते हुए बोलीं और उसका चेहरा देखकर उन्होंने तुरंत पूछा भी- 'क्या बात है रुही, तुम्हारी तबियत तो ठीक है न? कोई प्रॉब्लम तो नहीं?' रुही को लगा मैम उसे और चिढ़ा रही हैं। वह गुस्से में कुछ बोल नहीं पाई तो मैम आगे बोलीं। 'रुही मैं चाहती हूं कि पीयूष और आंजना को तुम गाइड करो। क्योंकि इस मामले में तुम स्कूल में सबसे ज्यादा एक्सपीरियंस्ड और टैलेंटेड हो।' रुही का गुस्सा और भी बढ़ था। 'मुझे लगता है तुमसे बेहतर गाइडेंस इन्हें किसी का भी नहीं मिल सकता.'क्यों नहीं मैम। आप कहें तो मैं बाकी कॉम्पिटीशन्स में से भी अपना नाम हटा लेती हूं। फिर इनको चीटिंग करके प्राइज दिलाने के लिए तो आप हैं ही।' मैम की बात के बीच में ही गुस्से में चिल्लाते हुए रुही ने कहा।

'रुही- ये तुम क्या बोल रही हो बेटा?' चौंकते हुए वैशाली मैम ने कहा। 'रहने दीजिए मैम, मैं सब जानती हूं। पहले दिन से ही आपको मैं पसंद नहीं हूं। आप मेरे टैलेंट से जलती हैं। इसलिए मेरे हर काम में हर्डल्स खड़े कर रही हैं.पहले आपने मेरा नाम कॉम्पिटीशन्स में से हटवाया और अब इस बेवकूफ आंजना और स्टूपिड पीयूष को मेरे अगेंस्ट खड़ा कर रही हैं.जबकि.रुही और भी आगे बोलती लेकिन मैम ने उसे थोड़ी कड़क आवाज में टोकते हुए कहा- 'रुही.पहले शांत हो जाओ और यहां बैठो।' मैम की आवाज और आंखें देखकर रुही एकदम सकपका गई लेकिन चेयर पर बैठने की बजाय खड़ी रही।

यहां बैठो रुही।'' मैम ने फिर कहा। रुही बैठ गई। 'देखो रुही, तुमने मुझे गलत समझा है बेटा।' मैम की आवाज अब पहले की ही तरह शांत थी। उन्होंने पानी का गिलास रुही की ओर बढ़ाया। रुही अब थोड़ी शांत हो गई थी। 'तुम्हें ऐसा पता नहीं क्यों लगा बेटा कि मैं तुम्हें नापसंद करती हूं। जबकि इस स्कूल में आने के कुछ दिनों बाद से ही मैं तुम्हारी फैन बन चुकी हूं।' 'पप्पप़र फिर आपने क्लास में हमेशा मुझे इग्नोर क्यों किया मैम?' रुही ने पूछा।

'नहीं बेटा मैंने कभी तुम्हें इग्नोर नहीं किया। हां, मैं इस बात से चिंतित जरूर थी कि तुम्हारे अचीवमेंट्स और 'खास' फ्रेंड्स कहीं तुम्हारे अंदर ओवरकॉन्फिडेंस और घमंड न भर दें। इसलिए मैं क्लास के बीच में तुम्हें इंडायरेक्टली वॉर्न करती थी। ताकि तुम सही और गलत फ्रेंडशिप को समझ सको। दो कॉम्पिटीशन में पार्ट लेने का नियम बनाने की सलाह मैंने इसलिए दी ताकि ज्यादा स्टूडेंट्स को मौका मिल पाए। इसके लिए मुझे तुम जैसे हर बच्चे की मदद लेनी है ताकि हम बाकी बच्चों को भी अच्छी चीजों में इन्वॉल्व कर पाएं। क्या तुम अब भी मुझे गलत समझती हो?' वैशाली मैम ने सवाल किया और इतने में प्यून रमेश भाई ने आकर बताया कि मैम को प्रिंसीपल मैम बुला रही हैं। वैशाली मैम पीयूष और आंजना के साथ रुही को छोड़कर क्लास से बाहर चली गईं।

सोच में डूबी रुही जैसे अचानक गहरी नींद से जागी। उसके दिमाग में चल रहा कन्फ्यूजन अब खत्म हो चला था। उसने घबराई सी खड़ी आंजना और भौंचक खड़े पीयूष की ओर देखा और कहा- 'मैम ने सही कहा है। ये हमारे स्कूल की रेप्यूटेशन का सवाल है। और अब मेरी भी। इसलिए आज छुट्टी के बाद तुम दोनों मुझे रिक्रिएशन रूम में मिलोगे। हम जमकर प्रैक्टिस करेंगे.लेकिन उससे पहले मुझे वैशाली मैम को सॉरी बोलना है।' इतना कहकर खुश-खुश सी रुही स्टाफ रूम से बाहर निकल कर तेजी से प्रिंसीपल मैम के रूम की तरफ बढ़ गई।

वैशाली मैम मुस्कुराते हुए बोलीं और उसका चेहरा देखकर उन्होंने तुरंत पूछा भी- 'क्या बात है रुही, तुम्हारी तबियत तो ठीक है न? कोई प्रॉब्लम तो नहीं?' रुही को लगा मैम उसे और चिढ़ा रही हैं।

इंडोनेशिया में लाशों के साथ मनाया जाता है त्योहार

दुनिया के अलग-अलग देशों में लोग कई तरह के रीति-रिवाज को मानते हैं और अजीबोगरीब तरीकों से उत्सव मनाते हैं। लेकिन आज हम आपको एक ऐसे त्योहार के बारे में बताएंगे, जो लाशों के साथ मनाया जाता है। जी हां, इस त्योहार के बारे में जानकर आपको थोड़ा अजीब जरूर लगेगा, लेकिन यह बात बिल्कुल सही है। इंडोनेशिया की एक खास जनजाति इस त्योहार को मनाती है, जिसे मानेने फेस्टिवल के तौर पर जाना जाता है।

मानेने फेस्टिवल की शुरुआत आज से लगभग 100 साल पहले हुई थी। इसे मनाने के पीछे बरप्पू गांव के लोग एक बहुत ही रोमांचक कहानी सुनाते हैं। लोगों के मुताबिक, सौ साल पहले गांव में टोराजन जनजाति का एक शिकारी जंगल में शिकार के लिए गया था। पोंग रुमासेक नाम के इस शिकारी को बीच जंगल में एक लाश दिखी। सड़ी-गली लाश को देखकर रुमासेक रुक गया। उसने लाश को अपने कपड़े पहनाकर अंतिम संस्कार किया।

इसके बाद से रुमासेक की जिंदगी में काफी अच्छे बदलाव आए और उसकी बदहाली भी खत्म हो गई। इस घटना के बाद से ही इसके बाद से रुमासेक की जिंदगी में काफी अच्छे बदलाव आए और उसकी बदहाली भी खत्म हो गई। इस घटना के बाद से ही टोराजन जनजाति के लोगों में अपने पूर्वजों के लाश को सजाने की प्रथा शुरू हो गई। मान्यता है कि लाश की देखभाल करने पर पूर्वजों की आत्माएं आशिर्वाद देती हैं।

इस त्योहार को मनाने की शुरुआत किसी के मरने के बाद ही हो जाता है। परिजन के मौत हो जाने पर उन्हें एक ही दिन में न दफना कर, बल्कि कई दिनों तक उत्सव मनाया जाता है। यह सब चीजें मृत व्यक्ति के खुशी के लिए की जाती हैं और उसे अगली यात्रा के लिए तैयार किया जाता है। इस यात्रा को पुया कहा जाता है। इस त्योहार के दौरान परिजन बैल और भैंसें जैसे जानवरों को मारते हैं और उनके सींगों से मृतक का घर सजाते हैं। मान्यता है कि जिसके घर पर जितनी सींगें लगी होंगी, अगली यात्रा में उसे उतना ही सम्मान मिलेगा।

इसके बाद लोग मृतक को जमीन में दफनाने की जगह लकड़ी के ताबूत में बंद करके गुफाओं में रख देते हैं। अगर किसी शिशु या 10 साल से कम उम्र के बच्चे की मौत हो तो उसे पेड़ की दरारों में रख दिया जाता है। मृतक के शरीर को कई दिन तक सुरक्षित रखने के लिए कई अलग-अलग तरह के कपड़ों में लपेटा जाता है। मृतक को कपड़े ही नहीं फैशनेबल चीजें भी पहनाई जाती हैं। सजाने-धजाने के बाद लोग मृतक को लकड़ी के ताबूत में बंदकर पहाड़ी गुफा में रख देते हैं। साथ में लकड़ी का एक पुतला रखा रक्षा करने के लिए रखा जाता है, जिसे ताउ-ताउ कहते हैं। ऐसा माना जाता है कि ताबूत के अंदर रखा शरीर मरा नहीं है, बल्कि बीमार है और जब तक वो सोया हुआ है, उसे सुरक्षा चाहिए होगी।

इसके बाद हर 3 साल पर लाशों को फिर से बाहर निकाला जाता है और उसे दोबारा नए कपड़े पहनाकर तैयार किया जाता है। इतना ही नहीं लोग लाशों के साथ बैठकर खाना भी खाते हैं। लाशों से उतरे हुए कपड़ों को परिजन पहन भी लेते हैं। कई सालों के बाद जब लाश हड्डियों में बदलने लगती है, तो उसे जमीन में दफनाया जाता है।

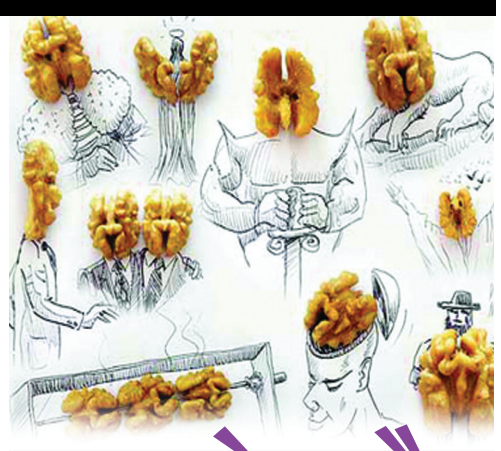

अखरोट और पॉपकॉर्न के आर्ट पीस बनाता एक कलाकार

अपने आस-पास मौजूद साधनों से कलाकृतियां बना डालना हमेशा से आर्टिस्ट्स का शौक रहा है।

अपने आस-पास मौजूद साधनों से कलाकृतियां बना डालना हमेशा से आर्टिस्ट्स का शौक रहा है। पेड़ों की पत्तियों, फूलों, लकड़ियों, मिट्टी, सब्जियों, बेकार पड़े वायर के पीस, फलों, छिलकों, और ऐसी न जाने कितनी ही चीजों से कलाकार आर्ट पीस बना डालते हैं। ऐसे ही एक कलाकार हैं विक्टर न्यूनेस, जो पॉपकॉर्न, अखरोट, पत्तागोभी और न जाने कितनी ही चीजों से रच डालते हैं खूबसूरत तस्वीरें।

पत्ते, फल और ब्रेड

विक्टर के आर्ट की सबसे बड़ी खासियत यह है कि वो हमें अपने आस-पास मौजूद छोटी-छोटी चीजों में भी कला का रूप देखने की सीख देते हैं और वो भी बहुत ही सरल तरीके से। विक्टर की पेंटिंग्स या आर्ट पीस में मुख्यत: सामान्य पेन्सिल से बने स्केच होते हैं जिनके साथ वो अपने आस-पास मौजूद चीजों को जोड़कर पूरी कहानी बना डालते हैं। जैसे पॉपकॉर्न से ही सिर, मुंह, बाल और दाढ़ी बनाकर। उनके बनाए स्केचेस जितने दमदार होते हैं उतने ही प्रॉप्स का यूज करने पर वो अनूठे बन जाते हैं। ब्रेड से लेकर बिस्किट, काजू, नूडल्स, कॉफी का फोम, आटे की लोई, चिप्स, वेफर्स आदि खाने की चीजों से लेकर कैंची, पेन के ढक्कन, कागज के खाली ग्लास और प्लेट, पेन्सिल को छीलकर निकली पंखुड़ियां, नट-बोल्ट्स, ड्रॉइंग पिंस,धागे और पौधों के पत्ते जैसे कई ऑब्जेक्ट्स को विक्टर कमाल के तरीके से यूज कर मन मोह लेते हैं।

आर्ट से है गहरा नाता

यूं 60 साल के विक्टर ब्राजील के एक रिटायर आर्ट डायरेक्टर हैं लेकिन कला के प्रति उनका पैशन हर उम्र के व्यक्ति को प्रेरणा देता है। खास बात ये है कि उन्होंने कुछ ही समय पहले फेसबुक पर अपना अकाउंट बनाया और उस पर अपने इन स्पेशल आर्ट पीसेस को पोस्ट करना शुरू किया। आज वो रोज कई सारे पीसेस ड्रॉ करते हैं और फेसबुक पर पोस्ट करते हैं। और भी मजेदार बात यह है कि विक्टर कॉफी पीते समय या खाना खाते समय भी चीजों के कलात्मक रूप के बारे में सोचते रहते हैं, इससे उन्हें रोज नए प्रयोग करने की प्रेरणा जो मिलती है।

अमेजन की रहस्यमयी नदी

पेरू में मौजूद इस रहस्यमय नदी की खोज भूवैज्ञानिक आंद्रे रूजो ने साल 2011 में की थी। मयानतुयाकू नामक इस नदी की खोज की कहानी बड़ी ही दिलचस्प है, जिसके बारे में आंद्रे रूजो ने बताया है। दरअसल, बचपन से ही रूजो ने ऐसी काल्पनिक नदियों की कहानियां सुन रखी थी, जो उन्हें आश्चर्य से भर देती थीं, लेकिन तब उन्हें इस बात का बिल्कुल भी अहसास नहीं था कि ऐसी नदी सच में होती है। आंद्रे रूजो के मुताबिक, जब वो बड़े हुए तो भी उबलती हुई नदी की कहानी हमेशा उनके दिमाग में रही। वो अक्सर ऐसा सोचते कि क्या ऐसा संभव है। यहां तक कि उन्होंने विश्वविद्यालय के अपने सहयोगियों, तेल, गैस और खनन कंपनियों से भी इस बारे में जानना चाहा, लेकिन सबका जवाब ना ही था। इसके अलावा अगर वैज्ञानिक तौर पर भी देखें तो ऐसा संभव ही नहीं है कि नदी का पानी हमेशा उबलता रहे, जब तक कि आसपास कोई सक्रिय ज्वालामुखी न हो।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भ्रष्टाचार प्रतियोगिता में

&

भ्रष्टाचार की जानकारी देने

National Rights Group Youtube Channel

krantisamay@gmail.com

9879141480

fight against corruption india

भारत में भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ब्रिटेन में दक्षिणपंथी संगठनों द्वारा मुसलमानो के ऊपर हमले, ब्रिटेन छोड़कर जाना चाहते हैं मुसलमान

लंदन। ब्रिटेन में दक्षिणपंथी संगठनों द्वारा लगातार हिंसक प्रदर्शन किये जा रहे हैं। हिंसक प्रदशनों में सबसे ज्यादा हमले मुसलमानो के ऊपर हो रहे हैं। प्रवासी नागरिकों के ऊपर भी हमले होने लगे हैं। ब्रिटेन में अब दक्षिणपंथी समूह और उदारवादी प्रवासियों के समर्थन में जुलूस निकल रहे हैं। इसमें मुस्लिम अलग-थलग पड़ गए हैं। लंदन के मेयर ने खुले तौर पर स्वीकार किया है।मुस्लिम ब्रिटेन में धार्मिक रूप से सुरक्षित नहीं रह गए हैं। वेस्ट लंदन के स्टैनफोर्ड ब्रिज में आयोजित कार्यक्रम में लंदन के मेयर सादिक खान ने कहा, मे भी यहां पर सुरक्षित नहीं हूं। हालांकि मेरे पास सुरक्षा है।लेकिन जिन लोगों के पास सुरक्षा नहीं है। वह अपने आप को असुरक्षित मानते हुए, जल्द से जल्द ब्रिटेन छोड़कर यूरोप के किसी अन्य देश में बसने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने कहा मैं भी मानता हूं, मेरा भविष्य ब्रिटेन में अच्छा नहीं है। ब्रिटेन में हिंसक अशांति बढ़ रही है। उन्होंने कहा वह भी ब्रिटेन छोड़कर यूरोप में बचने का विचार कर रहे हैं। मेरी पत्नी और तीन बच्चों का भविष्य यहां पर सुरक्षित नहीं है।

जब....हरे रामा हरे कृष्णा का नारा लगाते हुए सड़कों पर उतरे हिंदु, हिल गई बांग्लादेश सरकार

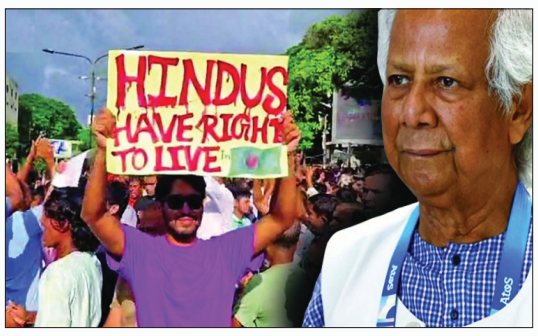

ढाका । बांग्लादेश में राजनीतिक तख्तालपलट के बाद से हिंदू परिवारों को निशाना बनाया जा रहा है। उसके बाद से हिंदू संगठनों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया है। हालांकि यहां हिंदुओं ने शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन किया है। हरे रामा हरे कृष्णा के नारे लगाए हैं। बड़ी संख्या में हिंदू संगठन के लोग सड़कों पर उतरे हैं। खुद के प्रति अत्याचार का विरोध करने का ये अनोखा रास्ता बांग्लादेश के हिंदुओं ने निकाला है। वहीं दूसरी तरफ बांग्लादेश में ही हिंदुओं के प्रति नफरत और हिंसा अभी भी जारी है। सोशल मीडिया पर हिंदू लड़की को कुछ मुस्लिम लड़कों द्वारा घेरकर लड़की को टार्चर करने का वीडियो खूब वायरल हो रहा है। जहां भारत में अल्पसंख्यों को बराबर के अधिकार दिए गए हैं। यहां पर अल्पसंख्यकों को विशेषाधिकार देने के भी आरोप लगते रहे हैं। लेकिन भारत के उलट पड़ोसी देशों में हिंदुओं पर अत्याचार लगातार जारी है। बांग्लादेश में भिड़की हिंसा में अवामी लीग पार्टी से जुड़े कम से कम दो हिंदू नेताओं की हत्या कर दी गई। दो हिंदू नेताओं की सिराजगंज और रंगपुर में हत्या कर दी गई, जो हसीना की अवामी लीग पार्टी के नेता थे। उन्होंने कहा कि परिषद अभी और जानकारी एकत्र कर रही है। हमलावरों ने दुकानों, मंदिरों और घरों में लूटपाट की और हिंदू महिलाओं पर हमला किया। जिन जिलों में धार्मिक अल्पसंख्यकों और उनके घरों या व्यवसायों पर हमला हुआ है। उसमें पंचगढ़, दिनाजपुर, रंगपुर, बोगुरा, सिराजगंज, शेरपुर, किशोरगंज, पश्चिम जशोर, मगुरा, नरैल, दक्षिणपश्चिम खुलना, पटुआखली, सतखीरा, मध्य नरसिंगडी, तंगैल, उत्तर पश्चिम लक्खीपुर, फेनी, चटगांव और हबीगंज शामिल हैं।

अभिनेत्री और कॉमेडियन मित्जी मैक्कल का निधन

वाशिंगटन । फराह खान की मां मेनका ईरानी के निधन के बाद अब हॉलीवुड से बुरी खबर आई है। जानी-मानी अभिनेत्री और कॉमेडियन मित्जी मैक्कल का निधन हुआ है। 93 साल की उम्र में हॉलीवुड अभिनेत्री मित्जी ने बरबैंक में आखिरी सांस ली। हालांकि, उनके निधन की वजह सामने नहीं आई है। कॉमेडियन के निधन से फैंस को गहरा सदमा लगा है। सोशल मीडिया पर लोग उन्हें श्रद्धांजलि दे रहे हैं। मित्जी ने हॉलीवुड में एक लंबा समय बिताया है। उन्होंने बड़े पर्दे से लेकर छोटे पर्दे तक ऐसी कई भूमिकाएं निभाई हैं, जिन्हें भूल पाना नामुमकिन हैं। मित्जी ने अपना करियर छोटी उम्र में ही शुरू कर दिया था। मित्जी को अभिनय के अलावा वॉइस ओवर के लिए भी जाना जाता है। उन्होंने स्नोक्र्स, मदर गूज एंड ग्रिम, द पेबल्स एंड बैम-बैम शो, द फ्लिंटस्टोन्स और द जेटसन जैसी कई एनिमेटेड सीरीज में अपनी आवाज से किरदारों को एक नई जान दी है। पति और कॉमेडियन चार्ली ब्रिल के साथ उनकी जोड़ी सबसे ज्यादा जमी है। द एड सुलिवन शो में वह अपने पति के साथ ही नजर आई थीं, तब से मैक्कल और ब्रिल की जोड़ी दुनियाभर में मशहूर हो गई।

यूक्रेन के शॉपिंग मॉल पर हुए रूसी हमले में 4 की मौत, 24 घायल

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने कहा कि डोनेट्स्क क्षेत्र में एक शॉपिंग मॉल पर रूसी हमले में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई और 24 अन्य घायल हो गए। ज़ेलेंस्की ने लिखा कि कोस्त्यंतिनिव्का शहर में घटनास्थल पर खोज और बचाव अभियान चल रहा है। लोकल गवर्नर वादिम फिलाशकिन ने कहा कि रूसी सेना ने बैरल आर्टिलरी से मॉल पर हमला किया। खबरों के मुताबिक फिलाशकिन ने कहा कि पुलिस, बचाव दल और चिकित्साकर्मी हमले के स्थल पर काम कर रहे हैं। इससे पहले यूक्रेनी सेना ने गुरुवार रात रूसी हमले में शामिल सभी 27 लड़ाकू ड्रोनों को मार गिराने का दावा किया था। यूक्रेनी वायु सेना ने कहा कि उत्तरी, मध्य, दक्षिणी और पूर्वी यूक्रेन के सात क्षेत्रों में शाहेद-136 और शाहेद-131 ड्रोनों को गिराया गया। मंत्रालय ने कहा था, रूसी सेना ने यूक्रेनी सेना के हमले को रोकने के लिए अपनी सीमा रक्षा इकाइयों को तैनात किया, और हवाई हमले, मिसाइल हमले तथा तोपखाने की मदद से यूक्रेनी सेना को आगे बढ़ने से रोका। कुर्स्क में ज्यादा अंदर तक घुसने की अलग-अलग इकाइयों की कोशिशों को विफल कर दिया गया, और सुमी क्षेत्र में यूक्रेनी रिजर्व बलों के खिलाफ हवाई हमले किए गए। वायु रक्षा प्रणाली कीव क्षेत्र में काम कर रही थी, लेकिन क्षेत्र में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। साथ ही इससे किसी तरह की क्षति नहीं हुई। क्षेत्रीय गवर्नर सर्जी लिसाक ने कहा कि मध्य प्रिप्रॉपेट्रोस क्षेत्र में दो ड्रोन नष्ट कर दिए गए। इससे पहले रूसी रक्षा मंत्रालय की ओर से बयान आया था कि यूक्रेन ने रूस के कुर्स्क क्षेत्र में आगे बढ़ने का प्रयास किया, जिसे रूसी सेना ने नाकाम कर दिया।

प्योंगयोंग के करीब एक बाढ़ग्रस्त इलाके के दौरे पर पहुंचे शीर्ष नेता किम जोंग उन।

अमेरिका को नष्ट करने की साजिश का हिस्सा है अप्रवासी : ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका में रह रहे लाखों आप्रवासियों को देश से निकालने की कसम तक खा चुके अमेरिका के पूर्व राष्?ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर अप्रवासियों के प्रति जहर उगला है। पत्रकारों से चर्चा करते हुए ट्रम्प ने कहा कि दुनियाभर से लंपट अमेरिका चले आते हैं। विश्वभर में जेलों, कारागारों और मानसिक संस्थानों को खाली किया जा रहा है ताकि कैदियों को अमेरिका भेजा जा सके ताकि वे अमेरिका पहुंचकर देश को नष्ट कर सकें। ट्रम्प के इस बयान की खूब आलोचना हो रही है और लोग अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति को अमेरिका की तरक्की में आप्रवासियों के योगदान की जानकारी दोबारा हासिल करने की सलाह दे रहे हैं। एक शोध के अनुसार, आप्रवासियों की अमेरिकी सकल घरेलू उत्पाद (यूएस जीडीपी) में 17 फीसदी हिस्सेदारी है, जो 3.3 ट्रिलियन डॉलर के बराबर बनती है। आप्रवासन से अगले दशक में अमेरिका के सकल घरेलू उत्पाद में 7 ट्रिलियन डॉलर की वृद्धि होने और सरकार को 1 ट्रिलियन डॉलर का अतिरिक्त राजस्व मिलने की उम्मीद है। चूंकि आप्रवासियों का एक बड़ा हिस्सा कामकाजी आयु का है और बहुत उत्पादक और उद्यमशील है, इसलिए बढ़ते आप्रवासन से अमेरिका का प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद भी बढ़ रहा है। आप्रवासी (शरणार्थियों और शरण चाहने वालों को मिलाकर) संघीय, राज्य और स्थानीय करों के रूप में सालाना लगभग 525 बिलियन डॉलर का भुगतान अमेरिकी खजाने में करते हैं।

ब्राजील में हादसा: विमान अनियंत्रित होकर आवासीय क्षेत्र में गिरा सभी 62 यात्रियों की मौत

ब्रासीलिया (एजेंसी)। ब्राजील के साओ पाउलो राज्य के एक शहर के आवासीय क्षेत्र में 62 लोगों को ले जा रहा एक विमान शुक्रवार को दुर्घटनाग्रस्त हो गया। सोशल मीडिया पर विमान हादसे के कुछ विजुअल्स सामने आए हैं। इसमें हादसे की भयावहता साफ दिखाई दे रही है। वीडियो में नजर आ रहा है कि विमान हवा में अचानक चक्कर काटने लगता है। इसके बाद वह पूरी तरह से नियंत्रण से बाहर हो जाता है और तेजी से जमीन की तरफ गिरने लगता है। जिस इलाके में प्लेन गिरा है, इससे वहां पर अफरा-तफरी मच जाती है। इसके बाद के विजुअल्स में दिख रहा है कि विमान गिरता है और फिर तेजी से धुआं उठने लगता है। एक अन्य वीडियो में आग की लपटें दिखाई दे रही हैं। यात्रियों के सामान इधर-उधर बिखरे हैं और कुछ लोगों के शव जलते दिखाई दे रहे हैं।

एयरलाइन की तरफ से जारी बयान में बताया गया है कि सभी यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। इस विमान ने साओ पाउलो के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे ग्वारूलोस के लिए उड़ान भरी थी। बयान के मुताबिक विमान में 58 यात्री और चालक दल के चार सदस्य सवार थे। हालांकि यह नहीं पता चल पाया है कि विमान आखिर हादसे का शिकार कैसे हुआ। जानकारी के मुताबिक हादसे का शिकार विमान

एटीआर 72-500 एक ट्विन इंजन टर्बोप्रॉप प्लेन था। विमान मात्र एक मिनट में 17000 फीट की ऊंचाई से नीचे आ गिरा। बताया जाता है कि हादसे से करीब डेढ़ मिनट में विमान से नियंत्रण खत्म होने लगा। स्थानीय समयानुसार दोपहर 1 बजकर 21 मिनट पर यह 17 हजार फीट की ऊंचाई पर था। अगले दस सेकंड में यह 250 फीट नीचे आ गया। इसके बाद अगले आठ सेकंड में यह फिर से 400 फीट ऊपर गया। आठ सेकंड के बाद विमान फिर से 2000 फीट नीचे आया। इसके बाद अगले एक मिनट में विमान 17000 फीट नीचे आ गया और खेल खत्म हो गया। दक्षिणी ब्राजील में एक कार्यक्रम में राष्ट्रपति लुईस इनासियो लूला दा सिल्वा ने इस पर शोक जताया है। उन्होंने कहा कि ऐसा प्रतीत होता है कि विमान में सवार सभी यात्री और चालक दल के सदस्य मर चुके हैं।

इजरायली खिलाफ साथ आए रूस-पाकिस्तान, एस-400 से लेकर शाहीन-3 तक से लैस होगा ईरान?

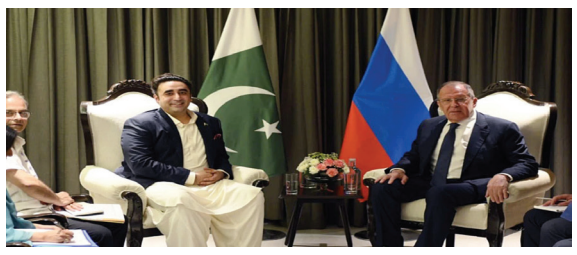

(एजेंसी)। 2 अगस्त को एक रूसी परिवहन विमान को तेहरान अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरते देखा गया था। विचाराधीन विमान गेलिक्स एयरलाइंस द्वारा संचालित एक आईएल-76टीडी था, जिसे मॉस्को द्वारा एक नागरिक वाहक की आड़ में सैन्य डिलीवरी के लिए इस्तेमाल करने के लिए जाना जाता है। रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है कि इसी विमान के जरिए ईरान को रूस की तरफ से एस 400 की डिलवरी की गई है। एस-400 दुनिया का सबसे एडवांस एंटी-एयर डिफेंस सिस्टम है। वहीं इस बात की भी खबर है कि पाकिस्तान अपनी सबसे ताकतवर न्यूक्लियर बैलिस्टिक मिसाइल शाहीन-3 ईरान को देने की योजना बना रहा है।

इजरायली प्रकाशन और जेरूसलम पोस्ट ग्रुप के सदस्य ने अपनी रिपोर्ट में अरब स्रोतों का हवाला देते हुए कहा कि पाकिस्तान ने इजरायल के साथ युद्ध छिड़ने पर ईरान को मिसाइलों की आपूर्ति करने की योजना बनाई है। कथित तौर पर सऊदी अरब में ईरान और पाकिस्तान के अनुरोध पर इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) के विदेश मंत्रियों की एक आपातकालीन बैठक के दौरान इस पर चर्चा की गई थी। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, ईरान और पाकिस्तान के बीच पहले भी तनावपूर्ण संबंध रहे हैं, लेकिन अप्रैल में ईरान के राष्ट्रपति के पाकिस्तान दौरे के बाद से कथित तौर पर सुधार हुआ है। तब से राष्ट्रों ने कहा है कि वे व्यापार संबंधों और क्षेत्रीय सहयोग को बढ़ावा दे रहे हैं। शाहीन-3 पाकिस्तान की सबसे खतरनाक मिसाइल है। 19.3 मीटर लंबी इस मिसाइल की रेंज 2750 के.मी. है। अमेरिकी प्रशासन ने यह भी संकेत दिया था कि वह क्षेत्र से आने वाली ऐसी रिपोर्टों से अवगत था। व्हाइट हाउस के प्रेस सचिव कैरिन जीन-पियरे ने कहा कि हम इज़राइल के प्रति अपने समर्थन में बहुत स्पष्ट हैं और यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि उनके पास अपनी रक्षा के लिए जो कुछ भी आवश्यक है वह मौजूद है।

ईरान के सामने बड़ी चुनौती,आसान नहीं है इजरायल से बदला लेना

तेहरान। ईरान की धरती पर हमास प्रमुख इस्माइल हनीयेह की हत्या के बाद ईरान भड़क गया था। उसने इस हत्या के लिए इजरायल को जिम्मेदार भी माना था और बदला लेने का संकल्प लिया था। अब जिस तरह के हालत बन रहे हैं उससे लगने लगा है कि ईरान के लिए बदला लेना आसान नहीं है।नवनिर्वाचित राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन और शक्तिशाली इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के कुछ कट्टरपंथियों के बीच गतिरोध की स्थिति बन गई है। इस घटना ने तेहरान में हमास नेता इस्माइल हनीयेह की हत्या पर ईरान की प्रतिक्रिया के भविष्य को अधर में लटका दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी सरकार इस बात पर एकमत नहीं है कि हत्या के बाद इजरायल के खिलाफ कैसे जवाबी कार्रवाई की जाए।

मिडल ईस्ट में बज गया युद्ध का डंका, दुनियाभर की एयरलाइन्स बंद कर रहीं इन देशों की सेवा

तेहरान (एजेंसी)। हरान में हमास के मुखिया की हत्या के बाद से ईरान ने इजरायल को युद्ध के लिए तैयार रहने की खुली चुनौती दे दी है। वहीं हिजबुल्लाह और हमास के साथ इजरायल की जंग जारी है। हालात को देखते हुए एयर फ्रांस ने भी पेरिस से बेरुत के बीच की फ्लाइट को 11 अगस्त तक निलंबित कर दिया है। इसके अलावा डेल्टा एयरलाइन ने भी न्यूयॉर्क से तेल अवीव की विमान सेवा 31 अगस्त तक रोक दी है। बता दें कि ईरान ने इजरायल पर आरोप लगाया है कि उसने ही हमास के मुखिया की उसके देश में हत्य करवाई है। वहीं ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई ने इजारायल पर हमले की धमकी भी दे दी है। ईरान के सहयोगी रूस ने भी अपनी एयरलाइन्स को नोटिस करके बता दिया है कि वे रात के समय इजरायली एयरस्पेस का इस्तेमाल ना करें। यह प्रतिबंध 9 अगस्त से 16 अगस्त तक लगाया गया है।

अल्जीरियन एयरलाइन ने लेबनान की फ्लाइट सस्पेंड कर दी है। एक जर्मन एयरलाइन ने भी मध्य एशिया में कई

जगहों जैसे कि तेल अवीव, तेहरान और बेरूत की फ्लाइट पर रोक लगाई है और ईरान-इराक के एयर स्पेस के ना इस्तेमाल करने की सलाह दी है। सिंगापुर एयरलाइन्स ने भी अपने विमानों के रूट में परिवर्तन किया है ताकि उन्हें ईरानी एयरस्पेस का इस्तेमाल ना करना पड़े। ईरान और इजरायल में ठनाठनी के बीच ही अमेरिका, एजिप्ट और कतर ने एक बार फिर सीजफायर का प्रयास शुरू किया है। 15 अगस्त को होने वाली बैठक में गाजा सीजफायर और बंधकों की रिहाई पर बातचीत होनी है। इस डील को फाइनल करवाने में तीन देश प्रयास करने वाले हैं। यह बैठक दोहा में होगी। अग्रीमेंट का फ्रेमवर्क तैयार कर लिया गया है और अब इसे लागू करने पर विचार किया जाना है।

भारत हमारा सबसे बड़ा पड़ोसी, हमारे लिए आपसी संबंध ज्यादा अहम

-खालिदा जिया की पार्टी के महासचिव बोले-हसीना का शासन दमनकारी था

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश की पूर्व पीएम खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के महासचिव मिर्जा फखरुल इस्लाम आलमगीर ने कहा है शेख हसीना का शासन दमनकारी शासन था जिसकी वजह से बांग्लादेश के लोगों में गुस्सा है। उन्होंने कहा कि भारतीय मीडिया विदेशी शक्तियों की संलिप्तता का नैरेटिव बना रहा है जबकि हसीना को हटाने में कोई विदेशी ताकत शामिल नहीं है। भारत को शेख हसीना को शरण देने से पहले सोचना चाहिए था। हसीना सरकार के दौरान हमारी पार्टी के कार्यकर्ताओं के खिलाफ़ करीब 6 मिलियन मामले दर्ज किए गए और मैं भी 11 बार जेल गया। हमने छात्रों के आंदोलन का समर्थन किया।

उन्होंने कहा कि हसीना सरकार ने सभी सरकारी संस्थानों का राजनीतिकरण कर दिया था। हसीना के जाने से देश में उत्सव है। सभी राजनीतिक दल चुनाव में भाग लेने के लिए स्वतंत्र हैं। बीएनपी एक लोकतांत्रिक पार्टी है, हमारे पास एक संविधान है। उन्होंने कहा कि बीएनपी के उपाध्यक्ष तारिक रहमान वापस आएंगे। खालिदा जिया हमारी नेता हैं, उनकी अनुपस्थिति में तारिक हमारे नेता हैं।

जमात-ए-इस्लामी से बीएनपी के गठबंधन के सवाल पर उन्होंने कहा कि बीएनपी पूरी तरह से उदार और लोकतांत्रिक पार्टी है जबकि जमात इस्लाम के लिए प्रतिबद्ध है, हम अलग-अलग दल हैं और गठबंधन परिस्थितियों पर निर्भर करता है। हमारे लिए आपसी संबंध ज्यादा अहमियत रखते है।

भारत का जिक्र करते हुए आलमगीर ने कहा कि भारत को केवल बांग्लादेश की एक पार्टी के साथ संबंध नहीं रखना चाहिए। भारत हमारा सबसे बड़ा पड़ोसी है। लोगों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए। सभी देश हमारे मित्र होने चाहिए। बांग्लादेश में लोकतंत्र की अनुमति दी जानी चाहिए और शेख हसीना को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। कोई भी उन्हें शरण क्यों नहीं दे रहा है? शेख हसीना को शरण देने से पहले भारत को सोचना चाहिए, इससे लोगों के आपसी रिश्ते प्रभावित होंगे।

उन्होंने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हो रहे हमलों की घटना को गलत बताते हुए कहा कि ढाका में अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने का एक भी मामला नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि मेरे निर्वाचन क्षेत्र में 35फीसदी मतदाता अल्पसंख्यक थे, वहां कुछ नहीं हुआ। अपने स्वार्थ के लिए समूह हमारे खिलाफ काम कर रहे हैं। सभी निवेश सुरक्षित रहेंगे। गौर करने वाली बात ये है कि नई अंतरिम सरकार के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान बीएनपी नेताओं ने भारतीय राजनयिकों से मुलाकात की थी।

तेजी से फैलने वाली बीमारी मंकीपॉक्स के नए स्ट्रैन ने बढ़ाई चिंता, डब्ल्यूएचओ ने बुलाई इमरजेंसी बैठक

जेनेवा (एजेंसी)। अफ्रीका में मंकीपॉक्स का इतना खतरनाक नया स्ट्रैन सामने आया है जिसमें पूरी दुनिया में महामारी फैलाने की क्षमता है। इस आपात खतरे के मद्देनजर विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने इमरजेंसी मीटिंग बुलाई है। डब्ल्यूएचओ के डीजी डॉ टेड्रोस अधानोम घेब्रेयसस ने कहा कि वैज्ञानिकों के अब तक के अनुसंधान से ऐसा लगता है कि मंकीपॉक्स का यह स्ट्रैन बहुत घातक है और इसमें अफ्रीका में और अगर यह अफ्रीका से बाहर गया तो पूरे विश्व में फैलने की आशंका है। मंकीपॉक्स वायरस के नए स्ट्रैन की खोज डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगों में इसी साल अप्रैल में की गई है। यह इतना खतरनाक है कि 10 संक्रमित मरीजों में से एक की जान ले लेता है। यह बीमारी अब कांगों के बाहर भी फैलने लगी है। इसलिए डब्ल्यूएचओ इस बात के लिए बैठक बुलाई है कि क्या यह वायरस दुनिया में इमरजेंसी स्थिति पैदा कर सकता है।

मंकीपॉक्स के वायरस उन पुरुषों को ज्यादा संक्रमित करता है जो पुरुष अन्य पुरुष के साथ यौन संबंध बनाते हैं। इसके साथ ही जिन व्यक्तियों के कई व्यक्तियों के साथ शारीरिक संबंध है, उन्हें भी मंकीपॉक्स का संक्रमण ज्यादा हो रहा है। खासकर यह बीमारी यौनकर्मियों में ज्यादा हो रही है। डब्ल्यूएचओ के डीजी डॉ टेड्रोस ने बताया कि डब्ल्यूएचओ बीमारी से प्रभावित देशों की सरकारों के साथ काम कर रहा है और इससे निपटने के उपायों की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि इस बीमारी के प्रसार को रोकने के लिए सामुदायिक स्तर पर समग्र रणनीति की जरूरत है। हालांकि अब तक कांगो से ट्रांसपोर्टेशन को बंद करने की सलाह नहीं दी गई है लेकिन प्रभावित देशों में सख्त सर्विलांस की जरूरत है। इसके लिए अमेरिका से 1.5 करोड़ डॉलर की सहायता भी मांगी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगों बेहद सघन आबादी वाला देश है जिसके साथ कई अन्य देशों के बॉर्डर लगते हैं और यहां का इन देशों में आवागमन होता रहता है। इसलिए यह अंदेशा है कि यह बीमारी देर-सवेर इन पड़ोसी देशों में भी फैल सकती है और इससे अन्य देशों में बढ़ सकती है। डब्ल्यूएचओ का कहना है कि वायरस का नया स्ट्रैन कांगों के उस हिस्से में भी जाने लगा है जहां पहले यह बीमारी नहीं थी। पिछले महीने मंकीपॉक्स के 50 नए केसेज कांगो से सटे अन्य चार देशों में पाए गए थे। हालांकि इससे पहले इन देशों मंकीपॉक्स का कोई मामला सामने नहीं आया था। इन देशों में ब्रुंडी, केन्या, रवांडा और यूगांडा शामिल है।

भारत-पाकिस्तान के बीच व्यापार और बस सेवा शुरु करने की मांग

- पीडीपी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने गृहमंत्री शाह को लिखा पत्र

श्रीनगर। (एजेंसी)

जम्मू-कश्मीर की पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने मांग की है कि एलओसी के पार व्यापार और दोनों ओर के कश्मीर के बीच बस सेवा फिर से शुरू की जाए। महबूबा ने कहा है कि यह लोगों के लिए विश्वास बहाली का एक महत्वपूर्ण काम होगा और क्षेत्र में सामान्य स्थिति बहाल करने की दिशा में एक अहम कदम होगा। महबूबा ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को एक पत्र लिख है जिसमें एलओसी के पार व्यापार और यात्रा भारत-पाकिस्तान के बीच अब तक का सबसे बड़ा विश्वास-निर्माण उपाय (सीबीएम) रहा है और इसने जम्मू-कश्मीर और उपमहाद्वीप में शांति स्थापना के नए रास्ते खोले हैं, जिनमें आगे बढ़ने पर क्षेत्र में स्थाई शांति लाने की क्षमता है।

बता दें कि जम्मू-कश्मीर के बारामुला जिले में उरी और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में मुजफ्फराबाद के बीच नियंत्रण रेखा पार बस सेवा 2005 में शुरू की गई थी और इसके बाद 2008 में उरी और पुंछ के जरिए से नियंत्रण रेखा पार व्यापार खोला गया था। केंद्र ने 2019 में बस सेवा और व्यापार को रोक दिया था और आरोप लगाया था कि कुछ राष्ट्र-विरोधी तत्व व्यापार की आड़ में हवाला धन, मादक पदार्थ और हथियारों की तस्करी कर रहे हैं।

महबूबा ने इस मुद्दे पर कहा कि नियंत्रण रेखा के पार व्यापार से जुड़े व्यापारी संकट में हैं और उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि नियंत्रण रेखा के पार के व्यापारी मुझसे मिलने आए थे, वे व्यापार मार्ग बंद होने के कारण संकट में हैं। मार्ग बंद होने से वह लोग बेरोजगार हो गए हैं। मुफ्ती ने आरोप लगाया कि आयकर विभाग व्यापारियों को परेशान कर रहा है और लेन-देन के लिए कर भुगतान की मांग करने वाले नोटिस भेज रहा है जो गैर-मौद्रिक थे और उस समय कोई कराधान शामिल नहीं था।

उन्होंने कहा कि व्यापार वस्तु विनिमय प्रणाली पर आधारित था और उस समय कर के लिए कोई गुंजाइश नहीं थी लेकिन, पिछले कुछ समय से उन्हें आयकर विभाग द्वारा परेशान किया जा रहा है। वे कर कहां से देंगे? महबूबा ने केंद्रीय गृहमंत्री से इस मामले में तुरंत हस्तक्षेप करने और व्यापार बंद करने के फैसले पर पुनर्विचार करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि मुझे आशंका है कि आयकर विभाग उनकी संपत्ति जब्त कर सकता है, जो स्वीकार्य नहीं होगी। अगर गृहमंत्री हस्तक्षेप नहीं करते हैं, तो परिणाम अच्छे नहीं होंगे। उन्होंने व्यापार और बस सेवा को फिर से शुरू करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि व्यापार और बस सेवा फिर से शुरू की जाना चाहिए। व्यापारियों को बैंकिंग सेवा, संचार और अन्य सुविधाएं प्रदान की जानी चाहिए ताकि पारदर्शिता बनी रहे। उन्होंने कहा कि अगर आप बॉडी स्कैनर लगाते हैं, तो आपको पता चल जाएगा कि ट्रकों में क्या है, जिससे इस बारे में किसी भी तरह की आशंका खत्म हो जाएगी। उन्होंने कहा कि दो कश्मीरों को एक साथ लाने और जम्मू-कश्मीर में मुद्दों को हल करने का इससे बेहतर कोई और तरीका नहीं है।

कोलकाता के मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर के साथ दुष्कर्म फिर कर दी हत्या

-सीएम ममता बनर्जी बोलीं-यह दुर्भाग्यपूर्ण, आरोपियों को दिलवाएंगे फांसी की सजा

कोलकाता। (एजेंसी)

कोलकाता में एक मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या के मामले में पश्चिम बंगाल सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि यह घटना दुर्भाग्यपूर्ण और घृणित है। उन्होंने कहा कि यह मेरे लिए व्यक्तिगत क्षति जैसी है। डॉक्टरों का गुस्सा और मांग जायज है। मैं उनका समर्थन करती हूं। उन्होंने कहा कि वह कल झारग्राम में थी, लेकिन सभी घटनाक्रमों पर उनकी नजर थी। उन्होंने पीड़ित परिवार से बात की है और उन्हें उचित कार्रवाई का आश्वासन दिया।

सीएम ममता ने इस मामले को फास्ट-ट्रैक कोर्ट में ले जाने का निर्देश दिए हैं। अगर जरूरत पड़ी तो आरोपियों को फांसी दी जाएगी। हालांकि मैं फांसी की सजा की समर्थक नहीं हूं लेकिन उन्हें कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस घटना को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे एक भी डॉक्टर को किसी भी तरह की समस्या न हो जो लोग विरोध कर रहे हैं, यदि उन्हें लगता है कि उन्हें राज्य प्रशासन पर भरोसा नहीं है, तो वे किसी अन्य जांच एजेंसी से संपर्क कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि हम भी उचित और गहन जांच और दोषियों के लिए कड़ी सजा चाहते हैं।

ममता ने कहा कि जैसे कानून-व्यवस्था सुनिश्चित करना हमारी जिम्मेदारी है, वैसे ही हॉस्पिटल सुपरिटेंडेंट की भी जिम्मेदारी है कि वह भी जांच कराएं कि क्या उनकी तरफ से लापरवाही हुई है। डॉक्टर अपना विरोध करे लेकिन साथ ही मरीजों का इलाज भी करें। उन्होंने कहा कि जो आरोपी पकड़ा गया है, वह मेडिकल कॉलेज में ही काम करता था। वहीं कोलकाता के पुलिस आयुक्त विनीत गोयल ने कहा कि हमने सात सदस्यीय एसआईटी टीम गठित की है। अगर परिवार या रेजिडेंट डॉक्टरों की ओर से कोई मांग है और वे किसी अन्य एजेंसी से मामले की जांच कराना चाहते हैं तो उनका स्वागत है। हम तय करेंगे कि आरोपियों को कड़ी से कड़ी सजा मिले। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर दुष्कर्म और हत्या का मामला दर्ज कर लिया गया है।

झूठे आरोप लगाकर छवि खराब करना चाहता है विपक्ष, मैं डरुंगा नहीं: सिद्धारमैया

नई दिल्ली। (एजेंसी)

कर्नाटक सीएम सिद्धारमैया ने बीजेपी और जद (एस) पर मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) के लिए जमीन आवंटन घोटाले के संबंध में झूठे आरोप लगाकर उनकी छवि खराब करने का प्रयास करने का आरोप लगाते हुए कहा कि वह ऐसी बातों से डरने वाले नहीं हैं। उन्होंने कहा कि वह राजनीतिक और कानूनी दोनों तरह से आरोपों के खिलाफ लड़ेंगे। उन्होंने यह भी कहा कि वह विपक्षी नेताओं एच डी कुमारस्वामी, बी एस येदियुरप्पा, बी वाई विजयेंद्र और विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक और अन्य की बात भी उजागर करेंगे और उन घोटालों का खुलासा करेंगे जिनमें यह सभी लोग शामिल हैं। साथ ही जांच रिपोर्ट के आधार पर उनके खिलाफ कार्रवाई भी की जाएगी। सिद्धारमैया ने कहा कि कांग्रेस ने विपक्ष की पदयात्रा के खिलाफ जनांदोलन सम्मेलन आयोजित किए हैं। लोगों से कहा गया है कि वह झूठ बोल रहे हैं, वे झूठे आरोपों के साथ पदयात्रा कर रहे हैं।

वह सिद्धारमैया की छवि खराब करना चाह रहे हैं। वह इस सरकार को हटाने की कोशिश कर रहे हैं जो लोगों के आशीर्वाद से सत्ता में आई है। उन्होंने कहा कि विपक्ष को यह भ्रम है कि वे सिद्धारमैया की प्रतिष्ठा को धूमिल करने की कोशिश करके उन्हें राजनीतिक रूप से दबा सकते हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी सरकार के कार्यकाल में बहुत सारे घोटाले हुए हैं, उनका पर्दाफाश किया जाएगा। उनमें से कुछ का उल्लेख किया है, कुछ अभी भी जांच के दायरे में हैं। रिपोर्ट आने के बाद सभी जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। चाहे वह कुमारस्वामी हों या येदियुरप्पा या विजयेंद्र या अशोक।

सभी के खिलाफ होगी। बीजेपी और जेडीएस द्वारा सप्ताह भर चलने वाली बेंगलुरु-मैसूर पदयात्रा का उद्देश्य सिद्धारमैया की पत्नी पार्वती सहित एमयूडीए द्वारा भूमि देने वालों को कथित धोखाधड़ी से भूखंड आवंटित करने की घटना को उजागर करना है।

शराबबंदी से बिहार को नुकसान.....सरकार बनते ही खत्म कर दूंगा : पीके

-भ्रष्ट अधिकारी और माफियाओं की जेब में जा रहा पूरा पैसा

दरभंगा। (एजेंसी)

चुनावी रणनीतिकार और जन सुराज के प्रमुख प्रशांत किशोर आगामी बिहार विधानसभा चुनावों में जीत कर राज्य की सत्ता पर काबिज होने को आतुर है। इस बीच प्रशांत किशोर उर्फ पीके ने बिहार में शराबबंदी कानून को खत्म करने का बड़ा दावा कर दिया है। दरभंगा में जन सुराज अभियान के दौरान पीके ने कहा कि बिहार में शराबबंदी कानून से सालाना 20 हजार करोड़ रुपए की हानि हो रही है। बिहार में खुलेआम अवैध रूप से शराब बिकती है। इसका पैसा भ्रष्ट अधिकारी और माफियाओं की जेब में जा रहा है। उन्होंने दावा किया है कि उनकी सरकार बनते ही एक घंटे में शराबबंदी को खत्म कर दूंगा। जन सुराज के सूत्रधार पीके ने कहा कि बिहार में शराबबंदी होने से राज्य का विकास हुआ है, इसका कोई प्रमाण नहीं है। उन्होंने अमेरिका का हवाला देकर कहा कि वहां भी शराबबंदी है, लेकिन इसका कोई

फायदा नहीं है। शराबबंदी से सिर्फ राज्य को नुकसान हो रहा है। वहीं प्रशांत किशोर ने दावा किया कि बिहार में अधिकारी और माफिया की मिलीभगत से शराब की होम डिलीवरी हो रही है। पीके ने महात्मा गांधी को लेकर कहा कि नीतीश और उनके समर्थक बताते हैं कि गांधी ने शराबबंदी का जिक्र किया था। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार साबित कर दिखाएं कि महात्मा गांधी ने ऐसी बात कहां कही थी।

पाकिस्तान की नापाक हरकत, सीमा पर भेज रहा हल्के ड्रोन, बीएसएफ ने निकाला तोड़

जालंधर। (एजेंसी)

पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। जम्मू-कश्मीर के साथ अब वह पंजाब को नशे के कुएं में धकेले के लिए नए-नए तरीके अपना रहा है। पाकिस्तान ड्रग्स स्मगलिंग के लिए हाईटेक ड्रोन का इस्तेमाल कर रहा है, जो आसानी से पकड़ में नहीं आते। बीएसएफ ने उसकी इस हरकत का जवाब देने तोड़ निकाल लिया है। बीएसएफ के इंस्पेक्टर जनरल अतुल फुलझेले ने बताया कि पाकिस्तान की ओर से नए तकनीक के ड्रोन से स्मग्लिंग की जा रही है। उन्होंने कहा कि सीमा पार से आने वाले ड्रोन्स के साइज छोटे हैं और वे मात्र एक किलोमीटर की ऊंचाई तक ही उड़ते हैं, जिन्हें ट्रैक करना मुश्किल होता है। जालंधर में बीएसएफ के हेडक्वार्टर में आईजी ने बताया कि इस साल जनवरी के शुरुआत से करीब 137 ड्रोन पकड़े गए। इनके जरिए हथियारों, पिस्टल्स, 2 एके-47 रायफल्स और 160 किलोग्राम से भी ज्यादा हिरोइन पकड़ी गईं है। उन्होंने कहा कि जमीन से तस्करी और भूमिगत खासकर पाइपों के जरिए हाल के बर्षों में न के बराबर हो गई है। हथियारों और ड्रग्स की तस्करी के लिए आजकल ड्रोन का इस्तेमाल बढ़ गया है। आईजी ने कहा कि पकड़े गए सभी ड्रोन की लैब में जांच की जा रही है। करीब सभी ड्रोन चीनी में बनाए गए हैं लेकिन ये सारे ड्रोन्स काफी एडवांस हैं। पहले जो ड्रोन पकड़े गए थे, उनसे आवाज निकलती थी और उनकी पेलोड क्षमता मात्र 3-4 किलोग्राम

थी। उसे ऊंचाई पर देखा जा सकता था, लेकिन नए ड्रोन्स का वजन 500 ग्राम है और ये आवाज भी नहीं करते हैं। सेना इनको पकड़ने के लिए नई तकनीक पर काम कर रही है।

सेना अधिकारियों ने बताया कि ड्रोन का पता लगाने के लिए रडार का इस्तेमाल किया जा रहा है। सरकार बॉर्डर पर एआई तकनीक वाले करीब तीन हजार सीसीटीवी कैमरा लगाने की तैयारी कर रही है। बांग्लादेश में राजनीतिक उथल-पुथल को देखते हुए पाकिस्तान से लगे सीमा पर भी गश्त बढ़ा दी गई है।

बिगड़ते हालातों को देखते हुए एयर इंडिया ने रद्द कर दी इजरायल जाने वाली फ्लाइट

नई दिल्ली। (एजेंसी)

इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते युद्ध के हालातों को देखते हुए एयर इंडिया ने तेल अवीव आने-जाने वाली अपनी उड़ानें रोक दी हैं। एयर इंडिया ने तेल अवीव से आने-जाने वाली कन्फर्म बुकिंग वाले यात्रियों को आश्वासन दिया है कि उन्हें पूरा रिफंड मिलेगा। एयरलाइन ने यह भी कहा कि वह स्थिति पर बारीकी से नजर रख रही है और जरूरत पड़ने पर अपडेट देगी। यात्रियों को परेशानी न हो, इसके लिए एयरलाइन ने हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए हैं।एयरलाइन का कहना है कि यात्री किसी भी प्रकार की जानकारी के लिए 24/7 इन नंबर पर कॉल कर सकते हैं। एयर इंडिया ने कहा है कि वह तत्काल प्रभाव से अगले नोटिस तक इजरायल के शहर तेल अवीव जाने और वहां से आने वाली सभी उड़ानों को रद्द करती है। ऐसे में एयरलाइन कंपनी ने यात्रियों को टिकट की रकम वापस करने की भी ऑफर दिया है। एयरलाइन का कहना है कि वह स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है। एयरलाइन ने कहा कि हमारे यात्रियों और क्रू की सेफ्टी हमारे लिए पहली प्राथमिकता है। एयर इंडिया ने 2 अगस्त को घोषणा की थी कि वह मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के कारण 8 अगस्त तक तेल अवीव के लिए अपनी सेवाएं बंद कर रही है। इसके बाद अब उसने अपनी उड़ानें अगले नोटिस तक के लिए बंद कर दी हैं। हाल ही में टाटा समूह द्वारा अधिग्रहित यह एयरलाइन आम तौर पर नई दिल्ली से इजरायली शहर के लिए पांच

साप्ताहिक उड़ानें संचालित करती है। 31 जुलाई को ईरान में हमास के राजनीतिक नेता इस्माइल हनिया की हत्या कर दी गई थी। ईरान ने हनिया की हत्या का आरोप इजरायल पर लगाया है। इसके बाद मिडिल ईस्ट में तनाव बढ़ गया था। वहीं दूसरी ओर अमेरिकी मीडिया के मुताबिक ईरान इजरायल पर हमला कर सकता है। ईरान ने भी चेतावनी दी है कि वह किसी भी समय इजरायल पर हमला कर सकता है।

संक्षिप्त समाचार

इजराइल और ईरान के बीच तनाव चरम पर.....चिंतित मिर्जापुर जिले के लोग

मिर्जापुर । ईरान में हमास नेता इस्माइल हानिया की मौत के बाद इजराइल और ईरान के बीच तनाव चरम है। इस तनाव के बीच इजराइल में काम कर रहे मजदूरों के परिवारों में चिंता का माहौल है। हालांकि, मजदूरों ने अपने परिजनों से बातचीत में किसी अनहोनी की आशंका नहीं जाहिर की है। उन्होंने बताया कि फिलहाल सब कुछ ठीक है, हालांकि आने वाले दिनों में स्थिति बिगड़ सकती है, लेकिन उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। इजराइल में हमास के साथ हुए संघर्ष के बाद कई इमारतें क्षतिग्रस्त हुई हैं, इसके बाद भारत से कई मजदूरों को वहां काम के लिए भेजा गया है। मिर्जापुर जिले के छह मजदूर इजराइल में काम कर रहे हैं, इसमें कछवां के अनंतपुर गांव और आसपास के क्षेत्रों के लोग शामिल हैं। इसमें सतीश कुमार यरूशलम में रह रहे हैं, जबकि पंकज कुमार, राहुल कुमार, अतुल कुमार, और रमेश कुमार तेल अवीव में काम कर रहे हैं। सभी मजदूर छह अप्रैल को इजराइल के लिए रवाना हुए थे। सतीश की पत्नी ने बताया कि उनके पति छह अप्रैल को इजराइल गए थे और उनकी नियमित रूप से बात होती रहती है। अभी भी बात हुई, और उन्होंने सबकुछ ठीक बताया। सतीश सरिया सटरिंग का काम करते हैं और उन्होंने किसी तरह के खतरे की आशंका से इंकार किया है। उन्होंने कहा कि वे सभी सुरक्षित स्थानों पर काम कर रहे हैं और किसी भी आपात स्थिति से पहले उन्हें अलर्ट मिल जाता है। इसतरह तेल अवीव में रह रहे पंकज कुमार के भाई सोनू ने बताया कि थोड़ी देर पहले उनकी अपने भाई से बातचीत हुई थी। पंकज ने बताया कि इस्माइल हानिया की मौत के बाद इजराइल में तनावपूर्ण माहौल है, लेकिन अभी तक कोई हताहत नहीं हुआ है। उन्होंने आशंका जाहिर की कि एक हफ्ते में माहौल बदल सकता है, हालांकि उन्होंने किसी गंभीर परेशानी की बात नहीं की। जिस क्षेत्र में वे काम कर रहे हैं, वहां सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम हैं।

मुर्मू राष्ट्रपति बनी.....जनजाति वर्ग का आत्मविश्वास बढ़ा : जैन

उदयपुर । समिधा दृष्टि-दिव्यांग मिशन की ओर से महाविद्यालय के दृष्टिहीन छात्रों के लिए गोवर्धन विलास सामुदायिक केंद्र में संचालित छात्रावास में विश्व आदिवासी दिवस पर संवाद परिचर्चा आयोजित की गई। कार्यक्रम की विशेषता थी कि यहां अध्ययनरत सभी वर्ग व समाज के विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से उल्लास के साथ भाग लिया। मुख्य अतिथि उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन थे। अध्यक्षता समाजसेवी चंद्रगुप्त सिंह चौहान ने की। इस मौके पर दृष्टिबाधित छात्र देवेंद्र मीणा, मुकेश जाट आदि ने कहा कि अबतक दूर-दराज में रहने वाला जनजाति का सामान्य एवं निर्धन वर्ग का परिवार स्वयं को उपेक्षित महसूस करता था। लेकिन, कुछ सालों पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने आदिवासी परिवार की द्रौपदी मुर्मू को देश के सर्वाच्च राष्ट्रपति के पद पर आसीन किया। उसके बाद से जनजाति का उपेक्षित महसूस करने वाले वर्ग का आत्मविश्वास बढ़ा है। जनजाति का यह वर्ग अब मुख्यधारा में लौट आया है। विधायक ताराचंद जैन ने दृष्टिबाधित विद्यार्थियों को विश्वास दिलाया कि वे उनकी डिग्री होने के बाद सरकारी नौकरी अनिवार्य रूप से लगे इसके लिए हर समय, हर संभव प्रयास करुंगा। विधायक जैन ने कहा कि दृष्टिबाधित विद्यार्थी किसी के भरोसे नहीं है। वे स्वावलंबी हैं। ईश्वर की महिमा है कि यदि किसी इंसान में कोई शारीरिक कमी रह जाती है तो उसे दो अतिरिक्त विशेष गुण प्रदान किए हुए होते हैं।

वक्फ बोर्ड संशोधन बिल जब जेपीसी से वापस आएगा तो होगा खेला: शत्रुघ्न

पटना। मशहूर अभिनेता और टीएमसी सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने पटना एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत में कहा कि वक्फ बोर्ड विधेयक का काफी विरोध हो रहा है। रूलिंग पार्टी में कुछ अपने वोट बैंक के चलते इसका विरोध नहीं कर रहे हैं, लेकिन विपक्ष इसका पुरजोर विरोध कर रहा है। इंडिया ब्लॉक का मानना है यह धार्मिक रूप से विभाजन करने की नीति है। उन्होंने कहा कि बहुत से लोगों को इस मामले में शामिल करने की जरूरत थी, जिसे नहीं किया गया और इससे बात बिगड़ सकती है। इसे जेपीसी के पास भेजा गया है, लेकिन जब ये आएगा तो बहुत बड़ा खेला होगा। बिहार में मंदिर मठों के पंजीकरण के मामले पर सांसद ने कहा मुझे जानकारी नहीं है, लेकिन किसी भी राज्य में विभाजन की नीति नहीं है। सब धर्म संभाव का है और अभी जो बांग्लादेश में देख रहे हैं वहां भी ये चीजें बढ़ रही हैं, लेकिन नई सरकार आई है और उनसे उम्मीद है सब सही होगा। आरक्षण मामले पर बिहार में मांझी और चिराग के बीच के बयानों पर सांसद ने कहा कि कोर्ट का मामला है, ज्यादा बोलना ठीक नहीं, लेकिन चिराग भी कोर्ट ही जा रहे हैं। अच्छी बात है, चिराग पासवान सुलझे हुए नेता हैं। दिल्ली के पूर्व डिप्टी सीएम और आप नेता मनीष सिसोदिया को जमानत मिलने पर सिन्हा ने कहा कि बड़ी खुशी की बात है, बहुत देर से हुआ लेकिन न्याय हुआ। अब उम्मीद है कि जल्द से जल्द सत्येंद्र जैन और अरविंद केजरीवाल को भी ऐसे ही न्याय मिल जाएगा।

एनडीए सरकार डॉ.आंबेडकर के दिए संविधान के प्रावधानों के प्रति प्रतिबद्ध : वैष्णव

नई दिल्ली ।(एजेंसी)

सुप्रीम कोर्ट की हालिया टिप्पणियों को लेकर एससी और एसटी वर्ग के मन में आशंकाएं पनपाने का काम कर लोगों की योजना को विफल कर मोदी सरकार ने साफ कर दिया है कि एससी और एसटी वर्ग के आरक्षण पर कोई आंच नहीं आने दी जायेगी। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कहा है कि भीम राव आंबेडकर के दिए संविधान में अनुसूचित जातियों (एससी) और अनुसूचित जनजातियों (एसटी) के आरक्षण में 'मलाईदार तबके' (क्रीमी लेयर) के लिए कोई प्रावधान नहीं है। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए संविधान में प्रदत्त आरक्षण के उप-वर्गीकरण को लेकर उच्चतम न्यायालय के फैसले पर चर्चा हुई।

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि मंत्रिमंडल की बैठक में उच्चतम न्यायालय के उस हालिया फैसले पर विस्तृत चर्चा हुई जिसमें एससी और एसटी के लिए आरक्षण के संबंध में कुछ सुझाव दिए गए थे। उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल का यह सुविचारित मत है कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सरकार डॉ. आंबेडकर के दिए संविधान के प्रावधानों के प्रति प्रतिबद्ध है।

वैष्णव ने कहा, आंबेडकर के दिए संविधान के अनुसार, एससी-एसटी आरक्षण में 'क्रीमी लेयर' के लिए कोई प्रावधान नहीं है। उन्होंने कहा कि एससी-एसटी आरक्षण का प्रावधान संविधान के अनुरूप होना चाहिए। यह पूछने पर कि क्या यह मुद्दा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री या प्रधानमंत्री द्वारा उठाया गया था, वैष्णव ने कहा कि यह मंत्रिमंडल का सुविचारित मत है।

बता दें कि एससी और एसटी सांसदों के एक प्रतिनिधिमंडल ने प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात कर और सुप्रीम कोर्ट के फैसले एवं एससी/एसटी आरक्षण के मुद्दे पर चर्चा की थी। बैठक के बाद पीएम मोदी पोस्ट में कहा था, ''आज एससी/एसटी सांसदों के प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की। एससी/एसटी समुदायों के कल्याण और सशक्तीकरण के लिए हमारी प्रतिबद्धता और संकल्प को दोहराया।''

इस मामले में कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा था कि विपक्षी दल अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के अंदर उप-वर्गीकरण की राज्यों को अनुमति देने संबंधी सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी को लेकर समाज को गुमराह नहीं करें। सदन में प्रश्नकाल के दौरान शिवसेना (यूबीटी) के सदस्य भाऊसाहेब वाकचौरे के पूरक प्रश्न का उत्तर देकर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि न्यायालय ने कोई फैसला नहीं दिया है, सिर्फ टिप्पणियां की हैं। मेघवाल ने कहा था, ''एससी-एसटी के उप-वर्गीकरण में क्रीमी लेयर का संदर्भ सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश की टिप्पणी है, न कि फैसले का हिस्सा। सदस्य को समाज को गुमराह करने का प्रयास नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि संविधान में राज्यसभा या विभिन्न राज्यों में विधान परिषदों में एससी-एसटी के लिए आरक्षण का कोई प्रावधान नहीं है। मेघवाल ने कहा, ''राज्यसभा में एससी/एसटी को आरक्षण देने का कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है।''

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति बीआर गवई ने एक अगस्त को कहा था कि राज्यों को एससी और एसटी के बीच क्रीमी लेयर की पहचान करने के लिए एक नीति बनानी चाहिए और उन्हें आरक्षण के लाभ से वंचित करना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने बहुमत से दिए एक फैसले में कहा था कि राज्यों के पास अधिक वंचित जातियों के उत्थान के लिए अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजातियों के लिए निर्धारित आरक्षण में उप-वर्गीकरण करने का अधिकार है।

न्यूयॉर्क में कथा समापन के बाद मोरारी बापू ने की विश्व शांति के लिए प्रार्थना

नई दिल्ली। (एजेंसी)

कथावाचक मोरारी बापू द्वारा न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में की जा रही नौ दिवसीय राम कथा का शुक्रवार को समापन हुआ। इस दौरान मोरारी बापू ने विश्व शांति के लिए प्रार्थना की। यह पहला मौका रहा जब किसी आध्यात्मिक गुरु ने संयुक्त राष्ट्र में इस तरह का कार्यक्रम किया। यह कार्यक्रम शांति, एकता और वैश्विक सद्भाव के विषयों पर केंद्रित रहा। नौ दिवसीय राम कथा के दौरान मोरारी बापू ने संयुक्त राष्ट्र की उप महासचिव अमीना जे मोहम्मद से भी मुलाकात की। इस दौरान महासचिव ने कहा, हालांकि आपने पहले संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय भवन की परिक्रमा की थी, लेकिन अब आप इसके हृदय में हैं। उन्होंने कहा कि, इस आयोजन से 17 सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के प्रयासों को शक्ति मिल रही है।

बापू ने अपना प्रवचन संयुक्त राष्ट्र को समर्पित किया। इससे पहले प्रवचन समाप्त करने के बाद मोरारी बापू संयुक्त राष्ट्र महासभा में गए।

वहां उन्होंने गोस्वामी तुलसीदास की रामचरित मानस रामायण रखी और वैदिक स्तोत्र का पाठ किया। उन्होंने वसुधैव कुटुम्बकम का जाप किया। इसके बाद 'जय सिया राम' से सभी का अभिवादन किया।न्यूयॉर्क में नौ दिवसीय राम कथा के शुरू होने से पहले मोरारी बापू ने कहा था कि संयुक्त राष्ट्र में राम कथा का पाठ ईश्वरीय कृपा है और वैश्विक सद्भाव की दिशा में एक कदम है। यह पहली बार है कि न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में राम कथा का आयोजन किया जा रहा है और यह एक सपने के सच होने जैसा है। उन्होंने कहा कि हमें तनाव और प्रतिस्पर्धा से उत्पन्न मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं से निपटना चाहिए। अच्छा संचार या सत्संग मानसिक तनाव के लिए एक शक्तिशाली उपचार है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)